नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, शनिवार
22 मार्च 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 22 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

अमेरिका में बंद होगा शिक्षा मंत्रालय: ट्रंप के फैसले के बाद कैसे चलेंगे शिक्षण संस्थान, कौन उठाएगा खर्च?

नई दिल्ली। अमेरिका के शिक्षा मंत्रालय को बंद करने के फैसले के बाद वहां शिक्षा व्यवस्था कैसे चलेगी? इस फैसले का देश में शिक्षण संस्थानों पर क्या असर होगा? उनके खर्च कैसे चलेंगे? छात्रों और उनके अभिभावकों का क्या होगा? आइये जानते हैं...

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा फैसला किया है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान शिक्षा मंत्रालय को बंद करने के अपने वादे को निभाया है। गुरुवार को उन्होंने इससे जुड़े एक आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अब संघीय स्तर पर शिक्षा मंत्रालय को खत्म किया जाना है।

ट्रंप के इस फैसले की पूरी दुनिया में चर्चा है। दरअसल, अमेरिका में शिक्षा व्यवस्था दुनिया में सबसे बेहतरीन स्तर की मानी जाती है। ऐसे में ट्रंप के इस फैसले को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। मसलन शिक्षा मंत्रालय को बंद करने के फैसले के बाद अमेरिका की शिक्षा व्यवस्था कैसे चलेगी? इस फैसले का देश में शिक्षण संस्थानों पर क्या असर होगा? उनके खर्च कैसे चलेंगे? छात्रों और उनके अभिभावकों का क्या होगा? आइये जानते हैं...

पहिले जानें- क्या है अमेरिका का शिक्षा मंत्रालय, यह करता क्या है?

अमेरिका में शिक्षा मंत्रालय की स्थापना 1979 में तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर की तरफ से की गई थी। इसका मकसद अमेरिका में अलग-अलग राज्यों के साथ केंद्रीय स्तर पर शैक्षिक नीतियों की निगरानी और स्कूलों को वित्तीय मदद देना था।

अमेरिका में शिक्षा व्यवस्था को चलाने का तरीका, भारत या अन्य देशों के मुकाबले काफी अलग है। अमेरिका में शिक्षा का अधिकतम भार केंद्र या संघ की सरकार के पास नहीं, बल्कि राज्य और जिला प्रशासन के ऊपर होता है।

शेष पेज 2 पर

कर्नाटक विधानसभा में बवाल

18 विधायक छह महीने के लिए निलंबित

मार्शलों ने टांगकर बाहर किया

बंगलूरू। कर्नाटक विधानसभा में आज की कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ गई। दिन भर हनी ट्रैप और मुसलमान ठेकेदारों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे हंगामा होता रहा। इस दौरान भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की और कुछ विधायकों ने अपने हाथों में सीडी थामे हुई थी, जिन्हें लेकर दावा किया गया कि उनके पास हनी ट्रैप को लेकर सबूत हैं।

कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार का दिन हंगामे के नाम रहा। हनी ट्रैप और मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को लेकर सदन में भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की। इसी क्रम में कर्नाटक विधानसभा में विरोध प्रदर्शन कर रहे 18 भाजपा विधायकों को अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया।

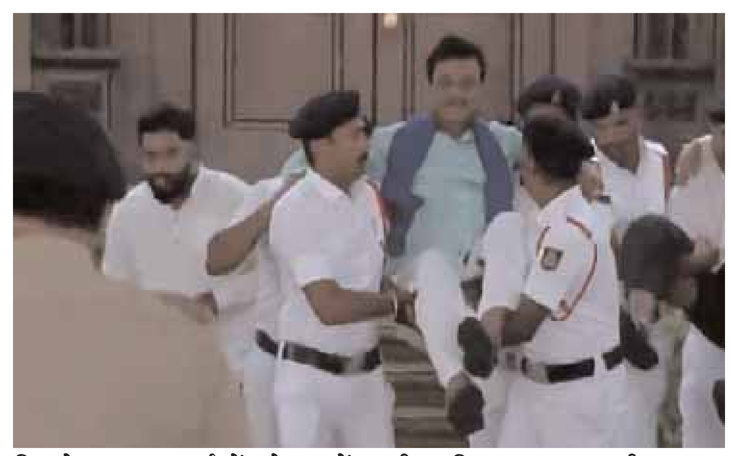

जिसके बाद मार्शलों ने उन्हें जबरन सदन से बाहर निकाला।

इसलिए हुई कार्यवाही- कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने यह कार्रवाई विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने वाले विधायकों के खिलाफ की। आरोप है कि विधानसभा में हंगामा कर रहे भाजपा विधायकों ने न सिर्फ अध्यक्ष के आदेशों की अवहेलना की बल्कि अनुशासनहीन तथा अपमानजनक तरीके से व्यवहार भी किया। जिसके बाद कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने उनके निलंबन के लिए विधानसभा में प्रस्ताव रखा, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए 18 भाजपा विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया।

अब ये काम नहीं कर पाएंगे भाजपा विधायक-निलंबन आदेश के अनुसार, अगले छह महीनों के लिए इन सदस्यों को विधानसभा हॉल, लॉबी और गैलरी में प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा। उन्हें किसी भी स्थायी समिति की बैठक में भाग लेने और विधानसभा के एजेंडे में अपने नाम से कोई विषय या मामला सूचीबद्ध करने से भी रोक दिया जाएगा। इतना ही नहीं, निलंबन अवधि के दौरान उनके द्वारा जारी किए गए किसी भी निर्देश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। न ही उन्हें समिति के चुनावों में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस अवधि के दौरान उन्हें कोई दैनिक भत्ता भी नहीं मिलेगा।

शेष पेज 2 पर

औरंगजेब का कब्र हटाने की मांग, बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका

नागपुर। पुलिस ने नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान और पांच अन्य के खिलाफ देशद्रोह और सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि हिंसा के तीन दिन बाद शहर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू हटा लिया गया या उसमें ढील दी गई।

नागपुर हिंसा के बाद मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने का मुद्दा हर जगह चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (ओआईएल) दायर की गई है। केतन तिरोडकर नामक व्यक्ति ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर औरंगजेब के मकबरे को ध्वस्त करने तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को औरंगजेब के मकबरे को राष्ट्रीय स्मारकों की सूची से हटाने का निर्देश देने की मांग की है, क्योंकि यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अधिनियम, 1958 की धारा 3 के अनुरूप नहीं है।

शेष पेज 2 पर

अयोध्या में बोले सीएम योगी

एक दशक पहले दुनिया में खुद को भारतीय कहने में संकोच करते थे लोग

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या दौरे पर हैं। यहां पहुंचते ही सबसे पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किए। अपने एक दिवसीय दौरे में वह कई कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत में नए नेतृत्व के उदय के साथ ही अब दुनिया नये भारत की बात करने लगी है। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है। ये सिर्फ एक दशक पहले की ही बात है। उत्तर प्रदेश और भारत के लोग दुनिया में कहीं जाते थे तो खुद को भारतीय कहने पर थोड़ा संकोच करते थे पर अब गर्व से खुद को भारतीय कहते हैं क्योंकि दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। इसी तरह यूपी के लोग कहीं बाहर जाने पर खुद को उत्तर प्रदेश का बताने पर संकोच करते थे पर अब वो गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का नागरिक बताते हैं। सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या के राजसदन में दो दिवसीय साहित्य उत्सव टाइमलेस अयोध्या का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मैं एक बार यूरोप गया था और वहां पर घूमने निकला और एक टैक्सी पर बैठा। मुझे टैक्सी वाला भारत का निवासी लगा। मैंने पूछा कि कहां के हो तो उसने कहा पंजाब का। मैंने पूछा पंजाब में कहां से तो चुप हो गया... फिर बताया कि पाकिस्तान से हैं। उसने मुझे बताया कि भारत का बताने पर हम यहां पर सेफ महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि ये भारत की ताकत है।

युवाओं को वितरित किया 47 करोड़ का ऋण

यहां से मुख्यमंत्री योगी रामकथा पार्क पहुंचे और मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत आयोजित स्टार्टअप प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं को 47 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया और उनसे उद्यम अपनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या दौरे पर हैं। सुबह करीब सवा 10 बजे उनका हेलीकॉप्टर अयोध्या के रामकथा पार्क में लैंड हुआ। यहां से वह रामलला का दर्शन करने के लिए रवाना हो गए।

शेष पेज 2 पर

'किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं': मंत्री प्रवेश वर्मा का बड़ा एक्शन, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में नालों और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें खामियां दिखीं। जिसे लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने यहां के कार्यकारी अभियंता को निलंबित करने का आदेश दे दिया।

प्रवेश वर्मा ने कहा, "नालियों की सफाई करना पीडब्ल्यूडी का काम है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हो रहा है। इसलिए मैंने यहां के एक्सईएन (कार्यकारी अभियंता) को निलंबित करने का आदेश दिया है। सभी अधिकारियों को साफ तौर पर कहा गया है कि अगर वे ठीक से काम नहीं करेंगे तो कार्रवाई की जाएगी। हम अपनी राजधानी दिल्ली को ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। उन्होंने कहा, "दिल्ली में पूरी व्यवस्था ध्वस्त होने के कगार पर थी। लेकिन भाजपा सरकार अब सड़कों पर उतर आई है और मंत्री घंटों फील्ड विजिट कर रहे हैं। अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए गए हैं और किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जज यशवंत वर्मा के ट्रांसफर पर इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन का विरोध

हम कोई कूड़ादान नहीं

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडे ने कहा कि यशवंत वर्मा पर आरोप लगाया गया है। उनके घर से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है, यह हमें मीडिया से पता चला है। बार किसी भी कीमत पर उन्हें यहां स्वीकार नहीं करेगा। हमने 24 मार्च को दोपहर 1 बजे एक आम सभा बुलाई है, जिसमें हम इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाकी वकीलों से बात करेंगे और हम इसका कड़ा विरोध करने जा रहे हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने हाल ही में नकदी खोज विवाद के सिलसिले में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के प्रस्तावित स्थानांतरण का कड़ा विरोध किया है। बार एसोसिएशन ने एक तीखा बयान जारी करते हुए कहा, "हम कोई कचरा पात्र नहीं हैं," जो इस बात पर गहरा असंतोष दशार्ता है कि यह निर्णय अनुचित है। यह कदम न्यायिक भ्रष्टाचार से कथित रूप से जुड़ी बड़ी मात्रा में नकदी की खोज से जुड़े विवाद के बाद उठाया गया है, जिसके कारण न्यायिक फेरबदल की एक श्रृंखला शुरू हुई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडे ने कहा कि यशवंत वर्मा पर आरोप लगाया गया है।

शेष पेज 2 पर

बदलाव | आप ने संगठन में किया बड़ा बदलाव:

मनीष सिसोदिया बनाए गए पंजाब के प्रभारी, सौरभ भारद्वाज बने दिल्ली के अध्यक्ष

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक में सौरभ भारद्वाज दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष चुने गए। पंजाब में मनीष सिसोदिया प्रभारी और सतेन्द्र जैन को सह प्रभारी बनाया गया है।

आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने पर फैसला लिया गया। चार राज्यों में प्रभारी बनाने पर सहमति हुई। गुजरात में गोपाल राय प्रभारी, दुर्गेश पाठक सह प्रभारी, गोवा में पंकज गुप्ता प्रभारी, पंजाब में मनीष सिसोदिया प्रभारी और

सतेन्द्र जैन सह प्रभारी, छत्तीसगढ़ के लिए संदीप पाठक प्रभारी बनाए गए हैं। दिल्ली का अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और जम्मू कश्मीर के लिए मेहराज मलिक को जिम्मेदारी दी गई है।

आप सांसद संदीप पाठक ने कहा, आज पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए। गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है। मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है और मुझे छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली इकाई का प्रमुख और मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, "चुनाव में दिल्ली की लगभग आधी आबादी ने हमें (आप) वोट दिया था। हमें इन वोटर्स के साथ उन लोगों का भी ध्यान रखना है, जिन्होंने यह सोचकर भाजपा को वोट दिया था कि हमें 2500 रुपये मिलेंगे और गैस सिलेंडर मिलेगा।

शेष पेज 2 पर

जज के घर कैश नहीं.. सिर्फ धुआं!: दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश बेदाग, दमकल विभाग के प्रमुख ने दी जानकारी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आवास पर आग बुझाने के दौरान कोई नकदी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि आग स्टेशनरी और घरेलू सामान से भरे एक स्टोर रूम में लगी थी।

दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख अतुल गर्ग ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर आग बुझाने के दौरान अग्निशमन कर्मियों को कोई नकदी नहीं मिली। गर्ग ने पीटीआई को बताया कि 14 मार्च को रात 11.35 बजे नियंत्रण कक्ष को यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली आवास पर आग लगने की सूचना मिली और दो दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं।

दमकल गाड़ियां रात 11.43 बजे मौके पर पहुंचीं। गर्ग ने बताया कि आग स्टेशनरी और घरेलू सामान से भरे एक स्टोर रूम में लगी थी। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने में 15 मिनट लगे। कोई हताहत नहीं हुआ। डीएफएस प्रमुख ने कहा कि आग बुझाने के तुरंत बाद हमने पुलिस को आग

की घटना की सूचना दी। इसके बाद दमकल कर्मियों की एक टीम मौके से चली गई। दमकल कर्मियों को आग बुझाने के दौरान कोई नकदी नहीं मिली।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने वर्मा के खिलाफ शुरूआती जांच शुरू की, जिनके सरकारी आवास से कथित तौर पर आग की घटना के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। कथित तौर पर उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की भी मांग की।

कौन हैं जस्टिस यशवंत वर्मा?

जस्टिस यशवंत वर्मा का जन्म 6 जनवरी 1969 को इलाहाबाद में हुआ। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से बी.कॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की और मध्य प्रदेश के रीवा विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में उन्होंने कॉर्पोरेट कानूनों, कराधान और कानून की संबद्ध शाखाओं के अलावा संवैधानिक, श्रम और औद्योगिक विधानों के मामलों में भी वकालत की।

2016 में स्थायी न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

56 वर्षीय न्यायाधीश, जो 1992 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए थे, उन्हें 13 अक्टूबर 2014 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और उन्होंने 1 फरवरी 2016 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

कई पदों पर रहे

वह 2006 से अपनी पदोन्नति तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के विशेष अधिवक्ता भी रहे, इसके अलावा 2012 से अगस्त 2013 तक उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य स्थायी अधिवक्ता भी रहे, जब उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया।

ट्रक चालक, मालिक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिला

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नागपुर। यह प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय मजदूर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनिल चौहान के नेतृत्व में उनके निवास पर पहुंचा और वहां ट्रक चालकों और मालिकों के खिलाफ हो रहे अमानवीय अत्याचारों और भ्रष्टाचार की समस्या को मंत्री के सामने रखा।

संघ के प्रतिनिधियों ने इस दौरान ट्रक चालकों और मालिकों पर टोल और राज्य बॉर्डर क्रॉसिंग्स पर अधिकारियों और उनके पाले हुए गुंडों द्वारा हो रहे उत्पीड़न की गंभीर समस्याओं को उठाया। ट्रक चालकों को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। संघ के प्रतिनिधि मंडल में शब्बीरुल हसन, प्रमोद चिंचखड़े, जितेंद्र चौबे जी,मनिषा ताई आदि शामिल थे।

इस बैठक में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रतिनिधियों के आरोपों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया एवं उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय इस समस्या को हल करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा और भ्रष्टाचार व गुंडागर्दी को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। केन्द्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ट्रक चालकों और मालिकों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तैयार है और वे इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

संघ की मांगें:

टोल प्लाजा और राज्य बॉर्डर क्रॉसिंग्स पर अधिकारियों द्वारा की जा रही अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए। ट्रक चालकों और मालिकों पर होने वाले शारीरिक और मानसिक अत्याचारों को तुरंत समाप्त किया जाए।

भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

ट्रक चालकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

संघ ने उनसे मांग की कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान किया जाए ताकि ट्रक चालक और मालिक अपने काम बिना भय और उत्पीड़न के कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार इस पर ध्यान नहीं देती है, तो वे सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होंगे।

यह बैठक ट्रक मालिकों और चालकों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है, जो लंबे समय से इन समस्याओं से जूझ रहे थे। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सरकार गंभीरता से काम करेगी और जल्द से जल्द इस का समाधान निकाला जाएगा।

बार एसोसिएशन चुनाव: कहीं उत्साह के साथ संपन्न, कहीं फर्जी वोटिंग पर चुनाव रद्द; वकील बोले- प्रशासन की लापरवाही

नई दिल्ली। फर्जी वोटिंग के चलते हंगामा शुरू हो गया और कुछ अधिवक्ताओं ने मतदान केंद्र के अंदर घुसकर मतपेटी तोड़ दी और मतपत्र भी फाड़ दिए जिसके बाद मतदान को रद्द करने का निर्णय लिया गया। शाम में राउज एवेन्यू कोर्ट में भी अधिवक्ताओं के बीच विवाद हुआ जिससे मतदान को कुछ देर के लिए रोक दिया गया था।

दिल्ली में शुक्रवार को सभी सात जिला अदालतों और दिल्ली हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन चुनावों का आयोजन किया गया। सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक अधिवक्ताओं ने उत्साह से मताधिकार का प्रयोग किया। हालांकि इस दौरान दो जिला अदालतों में फर्जी वोटिंग को लेकर अधिवक्ताओं ने बवाल काटा और कड़कड़डूमा कोर्ट के शाहदरा बार एसोसिएशन व साकेत बार एसोसिएशन के चुनाव निरस्त कर दिए गए। ऐसा पहली बार है जब दिल्ली में सभी अदालतों में एक ही दिन बार एसोसिएशन के चुनाव कराए गए। दिल्ली हाईकोर्ट के अलावा जिन निचली अदालतों के बार एसोसिएशन का चुनाव होना है, उनमें कड़कड़डूमा कोर्ट के शाहदरा बार एसोसिएशन, तीस हजारी कोर्ट के दिल्ली बार एसोसिएशन, पटियाला हाउस कोर्ट के नई दिल्ली बार एसोसिएशन, राउज एवेन्यू कोर्ट के सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन, साकेत कोर्ट के साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन, द्वारका कोर्ट के द्वारका कोर्ट बार एसोसिएशन और रोहिणी कोर्ट के रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन शामिल हैं।

मतपेटी तोड़ी, मतपत्र भी फाड़े- कड़कड़डूमा कोर्ट के शाहदरा बार एसोसिएशन के इलेक्शन कमिश्नर प्रमोद नागर ने बताया कि फर्जी वोटिंग के चलते अधिवक्ताओं ने आपत्ति जताई, जिसके बाद बार एसोसिएशन के मतदान को रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने भी मूक दर्शक की भूमिका निभाई, जिससे इस प्रकार की अव्यवस्था फैल गई। वहीं, साकेत कोर्ट में भी अधिवक्ताओं ने बताया कि चुनाव बैलेट पेपर से कराया जा रहा था। इस दौरान फर्जी वोटिंग के चलते हंगामा शुरू हो गया और कुछ अधिवक्ताओं ने मतदान केंद्र के अंदर घुसकर मतपेटी तोड़ दी और मतपत्र भी फाड़ दिए जिसके बाद मतदान को रद्द करने का निर्णय लिया गया।

पेज एक का शेष...

कर्नाटक विधानसभा में बवाल,18 विधायक छह महीने के लिए निलंबित

निलंबित विधायकों में ये हैं शामिल– निलंबित विधायकों में विपक्ष के मुख्य सचेतक डोड्डनगौड़ा एच पाटिल, अश्वथ नारायण सीएन, एसआर विश्वनाथ, बीए बसवराज, श्री एमआर पाटिल, चन्नबसप्पा (चन्नी), बी सुरेश गौड़ा, उमानाथ ए कोट्यान, शरणु सालगर, शैलेंद्र बेलडाले, सीके राममूर्ति, यशपाल ए सुवर्णा, बीपी हरीश, भरत शेट्टी वाई, मुनिरत्न, बसवराज मट्टीमूद, धीरज मुनिराजू और चंद्रू लमानी शामिल हैं।

सदन से 18 भाजपा विधायकों के निलंबन को कर्नाटक सरकार में मंत्री एम.बी. पाटिल ने सही करार दिया है। उन्होंने कहा कि सदस्यों का इस तरह से व्यवहार करना पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने विधानसभा में सभी संभव उल्लंघन किए ऐसे में यह(निलंबन) 100% उचित है।

स्थगित हुई कार्यवाही

गौरतलब है कि विधानसभा में आज की कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ गई। दिन भर हनी ट्रैप और मुसलमान ठेकेदारों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे हंगामा होता रहा। इस दौरान भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की और कुछ विधायकों ने अपने हाथों में सीडी थामे हुई थी, जिन्हें लेकर दावा किया गया कि उनके पास हनी ट्रैप को लेकर सबूत हैं। इसके बाद कुछ विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। इस दौरान विधायकों ने सभापति के आसन के पास पेपर फेंके। सदन में हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

एक दशक पहले दुनिया में खुद को भारतीय कहने में संकोच करते थे लोग

उन्होंने पहले हनुमानगढ़ी के दर्शन किए और फिर रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। आज करीब साढ़े चार घंटे अयोध्या में रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने महाराजा पैलेस राज सदन में दो दिनों तक चलने वाले साहित्य उत्सव टाइमलेस अयोध्या का शुभारंभ किया। यहां पर उनके साथ प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रख्यात लोक गायिका मालिनी अवस्थी, संगीत अध्येता और आयोजक यतींद्र मिश्र भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने राज सदन में अशोक के वृक्ष को जल अर्पण कर टाइमलेस अयोध्या कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके स्वागत के लिए सपा के बागी विधायक अभय सिंह भी पहुंचे हैं। सपा विधायक के खिलाफ जानलेवा हमले के मामले में जल्द ही फैसला आने वाला है। 20 अप्रैल 2024 को आए फैसले में दो जजों की बेंच में से एक जज ने उन्हें दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई थी।

हम कोई कूड़ादान नहीं

उनके घर से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है, यह हमें मीडिया से पता चला है। बार किसी भी कीमत पर उन्हें यहां स्वीकार नहीं करेगा। हमने 24 मार्च को दोपहर 1 बजे एक आम सभा बुलाई है, जिसमें हम इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाकी वकीलों से बात करेंगे और हम इसका कड़ा विरोध करने जा रहे हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि अगर किसी आम कर्मचारी के घर से 15 लाख रुपए बरामद होते हैं तो उसे जेल भेज दिया जाता है। किसी जज के घर से 15 करोड़ रुपए की नकदी बरामद होती है तो उसे 'घर वापसी' करा दी जाती है। क्या इलाहाबाद हाईकोर्ट कूड़ेदान है? हाईकोर्ट बार भ्रष्टाचार के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। हम उन्हें यहां स्वागत नहीं करने देंगे। अगर वे शामिल होते हैं तो हम कोर्ट से अनिश्चित काल के लिए दूर रहेंगे और वकील कोर्ट से दूर रहेंगे... हमारी मांग है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट न भेजा जाए।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा एक प्रमुख कानूनी हस्ती हैं, जिनका संवैधानिक, कॉर्पोरेट और कराधान कानून में दशकों तक शानदार करियर रहा है। 6 जनवरी, 1969 को इलाहाबाद में जन्मे न्यायमूर्ति वर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से बी.कॉम (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। ??बाद में उन्होंने मध्य प्रदेश के रीवा विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और 8 अगस्त, 1992 को एक वकील के रूप में नामांकन कराया। न्यायमूर्ति वर्मा ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में संवैधानिक, श्रम, औद्योगिक, कॉर्पोरेट और कराधान कानूनों में विशेषज्ञता के साथ एक व्यापक कानूनी अभ्यास स्थापित किया।

उन्हें 2013 में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था और 2012 से 2013 तक उत्तर प्रदेश के मुख्य स्थायी वकील के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, वे 2006 से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के विशेष वकील थे, जब तक कि उन्हें बेंच में पदोन्नत नहीं किया गया। उन्हें 13 अक्टूबर 2014 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और 1 फरवरी 2016 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में उनकी पुष्टि की गई थी। बाद में, 11 अक्टूबर 2021 को उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां वे सेवा करना जारी रखते हैं।

मनीष सिसोदिया बनाए गए पंजाब के प्रभारी, सौरभ भारद्वाज बने दिल्ली के अध्यक्ष

हम पार्टी को मजबूत करेंगे और मेरा मानना है कि हारने के बाद संगठन का निर्माण करना सबसे आसान होता है। जो पार्टी की हार के समय भी आपके साथ रहता है, वह खरा सोना होता है।

पंजाब के प्रभारी के रूप में अपनी नियुक्ति पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, "आम आदमी पार्टी की तरफ से अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के प्रभारी के रूप में काम करने का आदेश दिया है। मैं पिछले कुछ दिनों के अनुभव से कह सकता हूं कि पंजाब के लोगों ने 3 साल पहले जिस तरह अरविंद केजरीवाल को मौका दिया था, उसके बाद से ही पंजाब में बहुत काम हुए हैं... पंजाब के इतिहास में इतने काम पहले कभी नहीं हुए थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बहुत अच्छे काम किए हैं... पंजाब में आप के प्रभारी के रूप में मेरी कोशिश यही रहेगी कि पंजाब के लोग एक बदलता हुआ पंजाब देख सकें।

आप नेता गोपाल राय ने गुजरात के प्रभारी के रुप में अपनी नियुक्ति पर कहा, "आज पार्टी ने निर्णय लिया है कि पूरे देश में संगठन विस्तार का काम तेज किया जाएगा। पार्टी उन राज्यों में काम करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जहां चुनाव होने वाले हैं और पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी ।

अमेरिका में बंद होगा शिक्षा मंत्रालय: ट्रंप के फैसले के बाद कैसे चलेंगे शिक्षण संस्थान, कौन उठाएगा खर्च?

यानी अमेरिका में शिक्षा मंत्रालय का काम सरकारी स्कूलों को चलाना और उसका पाठ्यक्रम निर्धारित करना नहीं होता, यह जिम्मेदारी प्राथमिक तौर पर राज्यों और जिलों के प्रशासन की होती है।

संघीय शिक्षा मंत्रालय सरकारी और कुछ निजी स्कूलों की फंडिंग से जुड़े बेहद अहम कार्यक्रमों से जुड़ा रहता है। खासकर दिव्यांग छात्र-छात्राओं और कमजोर तबके के स्टूडेंट्स की शिक्षा के लिए फंड्स देने के मामले में।

शिक्षा मंत्रालय पूरे अमेरिका में नागरिक अधिकारों को लागू कराने के लिए भी जिम्मेदार होता है। केंद्रीय सरकार इस बाबत भी फंड्स जारी करती है कि स्कूलों में नस्ल और लैंगिक आधार पर भेदभाव को रोका जा सके।

इतना ही नहीं शिक्षा मंत्रालय अमेरिकी स्कूलों का डाटा जुटाने और शिक्षा व्यवस्था में आ रही दिक्कतों को सुलझाने का भी काम करता है।

तो क्या शिक्षा मंत्रालय को राष्ट्रपति के आदेश पर ही बंद किया जा सकता है?

डोनाल्ड ट्रंप ने शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने का आदेश तो दे दिया है, लेकिन यह काम इतना भी आसान नहीं होने वाला। दरअसल, अमेरिका में मंत्रियों की नियुक्ति और इन्हें हटाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास होता है, लेकिन मंत्रालयों को स्थापित करने, इनकी फंडिंग और बाकी चीजों की जिम्मेदारी अमेरिकी संसद के पास होती है। ऐसे में ट्रंप को शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के लिए संसद की मंजूरी भी चाहिए होगी।

अमेरिकी संसद के उच्च सदन में ट्रंप को सुपरमेजौरिटी यानी 100 में से 60 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। ताजा आंकड़ों की बात करें तो चुनाव के बाद सीनेट में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। फिलहाल सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के 53 तो डेमोक्रेटिक पार्टी के 47 सांसद हैं। इस लिहाज से ट्रंप को शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के लिए डेमोक्रेट पार्टी के 7 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी, जो कि दूर की कौड़ी साबित हो सकता है।

इतना ही नहीं अमेरिकी संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी ट्रंप को शिक्षा मंत्रालय खत्म कराने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने में मुश्किल आएगी। बीते साल जब एक अन्य विधेयक के साथ शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के लिए एक संशोधन लाया गया था, तब रिपब्लिकन पार्टी के ही 60 सांसदों और पूरी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसके खिलाफ वोट किया था।

इसके बावजूद डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के अपने फैसले के साथ आगे बढ़े हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री लिंडा मैक्मेहन को आदेश दिया है कि वह इस एजेंसी को खत्म करने के लिए काम शुरू कर दें और संघ पर आने वाली सारी जिम्मेदारी (फंडिंग-व्यवस्था) को राज्यों और जिला प्रशासनों को हस्तांतरित कर दें।

ट्रंप के इस आदेश में साफ नहीं है कि संघीय शिक्षा मंत्रालय के खत्म होने के बाद इसके कार्यक्रमों का क्या होगा या इसके कर्मचारियों को किसी और मंत्रालय में भेजा जाएगा या नहीं। इसके अलावा यह भी साफ नहीं है कि संघीय सरकार आगे वित्तीय मदद और छात्रों की तरफ से इस्तेमाल किए गए कर्ज के मुद्दे पर क्या करेंगे। ट्रंप के आदेश में शिक्षा मंत्रालय को पूरी तरह से खत्म करने की कोई समयावधि भी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति के इस फैसले को अमेरिकी अदालतों में चुनौती दी जा सकती है।

शिक्षा मंत्रालय खत्म हुआ तो छात्रों-अभिभावकों पर क्या पड़ेगा असर?

शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने से सैकड़ों स्कूलों को मिलने वाली वित्तीय सहायता खत्म हो जाएगी। इससे शिक्षकों और स्टूडेंट्स पर बराबर असर पड़ने की आशंका है। खासकर दिव्यांग छात्रों को बढ़ावा देने वाले और नस्लीय-लैंगिक विविधता बनाए रखने वाले स्कूलों पर इस फैसले का सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी शिक्षा मंत्रालय को खत्म क्यों करना चाहती है?

शिक्षा मंत्रालय की स्थापना होने के बाद से ही रिपब्लिकन पार्टी इसके खिलाफ रही है। डेमोक्रेट राष्ट्रपति जिमी कार्टर के दौर में ही रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर उभरे रोनाल्ड रीगन ने 1980 में चुनाव प्रचार के दौरान शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने की बात कही थी। दरअसल, रिपब्लिकन पार्टी का तर्क है कि वह शिक्षा के केंद्रीयकरण के खिलाफ है और इसे राज्यों और स्थानीय प्रशासनों के हवाले ही कर देना चाहिए, जो कि अपनी जरूरत और आबादी की संरचना के हिसाब से शिक्षा से जुड़े सारे फैसले ले सकें।

डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में भी रिपब्लिकन पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का विरोध किया था। पार्टी ने मंत्रालय पर नागरिक अधिकारों की रक्षा के नाम पर बच्चों पर वोक (हङ्की) यानी उदारवादी राजनीतिक विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। साथ ही लैंगिक और नस्लीय मुद्दों पर भी इस विचारधारा का विरोध किया।

ट्रंप ने अपने प्रचार अभियान के दौरान कहा था कि वह स्कूलों को नस्लीय भेदभाव को रोकने के लिए वित्तीय मदद देने की जगह नागरिक अधिकार से जुड़े केसों का सहारा लेंगे। उन्होंने इस एवज में दी जाने वाली मदद को नस्लभेद बढ़ाने वाला करार दिया है। इतना ही नहीं ट्रंप प्रशासन ने नस्लभेद के कथित आरोपों को लेकर कई कॉलेजों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

औरंगजेब का कब्र हटाने की मांग, बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका

पुलिस ने नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान और पांच अन्य के खिलाफ देशद्रोह और सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि हिंसा के तीन दिन बाद शहर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू हटा लिया गया या उसमें ढील दी गई। बरेलवी संप्रदाय के मौलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर फिल्म ह्यछावाह्ण पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका आरोप है कि यह सांप्रदायिक तनाव को भड़का रही है और नागपुर हिंसा के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है।

दक्षिणपंथी संगठनों की मांग के बीच कि महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में मुगल बादशाह औरंगजेब के मकबरे को हटाया जाए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 18वीं सदी की इस इमारत के दो तरफ टिन की चादरें लगा दी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को नागपुर में हुई हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि भारत विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। साइबर अपराध विभाग ने फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब अधिकारियों से उनके प्लेटफॉर्म पर 230 प्रोफाइल के बारे में जानकारी मांगी है और उन्हें ब्लॉक करने की मांग की है, डीसीपी साइबर क्राइम लोहित मतानी ने नागपुर में संवाददाताओं को बताया।

पांच अप्रैल को कश्यप- निषाद संगठन गाजियाबाद में महर्षि कश्यप जयंती पर करेगा महाकुंभ

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। घंटाघर रामलीला मैदान में होगा आयोजन नरेंद्र कश्यप ने कहा कश्यप निषाद संगठन आज महत्वपूर्ण हो रहा है कश्यप निषाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप के नेतृत्व में 5 अप्रैल को गाजियाबाद के घंटाघर रामलीला मैदान में कश्यप निषाद संगठन विशाल महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस महाकुंभ में कश्यप समाज के क्षेत्रीय, प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदाधिकारियों को संबोधित करने के लिए गाजियाबाद आएंगे। नरेंद्र कश्यप ने बताया है कि इस कार्यक्रम का मकसद महर्षि कश्यप को याद करना और उनके बताएं सिद्धांतों को जीवन में अपनाने लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम और महर्षि कश्यप के जीवन से जुड़े नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा कई अन्य प्रमुख अतिथि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का काम करेंगे।

महर्षि कश्यप को दी जाएगी

पुष्पांजलि-5 अप्रैल को घंटाघर रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले कश्यप निषाद संगठन के महाकुंभ का मकसद महर्षि कश्यप जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि देना है । मंच पर महर्षि कश्यप की तस्वीर लगाई जाएगी इसके साथ ही महर्षि कश्यप से जुड़े जीवन के किस्सों को भी संगठन के लोग सुनने का काम करेंगे। इस पूरे आयोजन को महर्षि कश्यप के प्रति समर्पित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

घंटाघर रामलीला मैदान में कई दिन पहले शुरू हो जाएगी तैयारी

कश्यप निषाद संगठन की ओर से होने वाले रामलीला मैदान घंटाघर में विशाल महाकुंभ को आयोजित करने का मकसद कश्यप निषाद समाज को एकजुट करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। नरेंद्र कश्यप ने बताया है कि कार्यक्रम के लिए तैयारी को शुरू कर दिया गया है। वही मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ का समय भी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मिल गया है। कार्यक्रम घंटाघर रामलीला मैदान में होगा, जहां विशाल पंडाल के साथ ही हजारों लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही शहरभर में बैनर और होल्डिंग्स लगाने का काम किया जाएगा।

,दिल्ली ,उत्तर प्रदेश ,उत्तराखंड सहित कई प्रदेश के पदाधिकारी होंगे शामिल

घंटाघर रामलीला मैदान में 5 अप्रैल को आयोजित होने वाले कश्यप निषाद संगठन के विशाल महाकुंभ में उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि दिल्ली, हरियाणा ,पंजाब , राजस्थान, हिमाचल प्रदेश , जम्मू कश्मीर व मध्य प्रदेश के साथ ही कई अन्य प्रदेश के कश्यप निषाद संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को मंच पर स्थान देने के साथ ही उनके द्वारा समाज को एकजुट करने का संदेश दिया जाएगा।

कार्यकताओं को दी जाएगी बड़ी जिम्मेदारी

5 अप्रैल को कश्यप निषाद संगठन की ओर से आयोजित होने वाले विशाल महाकुंभ के लिए कश्यप निषाद संगठन के पदाधिकारियों को कार्यक्रम के लिए सूचना दे दी गई है। इसके साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने और बड़े स्तर पर सफल आयोजन करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों को शामिल किया जाना है और मंच से मुख्यमंत्री और नरेंद्र कश्यप का संबोधन भी होगा। जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ भी आमंत्रित की जाएगी। बता दें कि इससे पहले भी नरेंद्र कश्यप द्वारा कश्यप निषाद संगठन के कई कार्यक्रम गाजियाबाद में कराए गए हैं जो बेहद सफल रहे हैं।

नेशनल हाईवे पर कार में लगी आग परिवार ने कूदकर बचाई जान

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। शुक्रवार दोपहर बरेली के फतेहगंज पश्चिमी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। नेशनल हाईवे पर औंध गांव के पास चलते-चलते एक वैगनआर कार अचानक आग का गोला बन गई। कार में बैठे लोगों की सांसे अटक गईं, लेकिन गनीमत रही कि सभी ने समय रहते छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली।

हाईवे पर मचा हड़कंप, परिवार ने दिखाई सूझबूझ रामपुर निवासी मुजीब खान अपने परिवार के साथ बरेली की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार (वढ22अढ 2763) धनेटा के पास नदी के करीब पहुंची, अचानक धुआं उठने लगा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, कार ने आग पकड़ ली। घबराहट के बीच परिवार ने सूझबूझ दिखाते हुए कार से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग इतनी भयानक थी कि उसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सुरक्षा कारणों से पुलिस ने कुछ देर के लिए हाईवे को बंद कर दिया, ताकि कोई और दुर्घटना न हो। फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी ने बताया कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस ने तुरंत यातायात को नियंत्रित करते हुए हाईवे पर ट्रैफिक दोबारा सुचारू कर दिया।

अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि कार में आग कैसे लगी। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस मामले की पूरी जांच कर रही है।

नमाजी आपस मे भिड़े जमकर हुई मारपीट, दोनों पक्ष से चार लोग घायल, आठ गिरफ्तार

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव अंबरपुर में शुक्रवार को जुमा की नमाज के दौरान नमाजियों में आपस में लड़ाई हो गई। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पर उनकी चप्पल फेंक देने तो दूसरे पक्ष ने पहले पर पानी फेंकने का आरोप लगाया। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिससे गांव में अफरातफरी मच गई। घटना में चार लोग घायल हुए हैं।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मौके पर शांति कायम है। एक ही समुदाय के लोगों का नमाज के दौरान विवाद हो गया था। गांव के

आमीन खान की ओर से 12 और बिलाल खान की ओर से 14 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

मोदी पर आपत्तिजनक वीडियो बनाना पड़ा भारी, आरोपी युवती गिरफ्तार

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर वीडियो बनाने वाली बारादरी थाना क्षेत्र की युवती को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवती पर आरोप लगा था कि उसकी टिप्पणी से जनमानस की भावनाओं को ठेस पहुंची। इसके बाद बारादरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

एसएसपी कार्यालय की सोशल मीडिया सेल पर

मिली शिकायत व मेसेज की जांच जोगी नवादा चौकी प्रभारी कर रहे थे। शिकायत में बताया गया कि इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर प्रधानमंत्री के वीडियो को आपत्तिजनक बनाकर अपलोड किया गया है। वीडियो देखकर हिंदू संगठन के लोग नाराज हो गए। जांच के दौरान सामने आया कि वीडियो वायरल करने वाली जोगी नवादा निवासी अनमोल पुत्री राशिद है।

फिर बने अशफाक सकलैनी कांग्रेस जिलाध्यक्ष, महानगर की कमान दिनेश दद्दा को

एनपीटी ब्यूरो

बरेली, भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी अपने जिला और महानगर अध्यक्ष घोषित कर दिए। अशफाक सकलैनी को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाया गया है। अशफाक सकलैनी प्रदेश में के ऐसे एक मात्र जिलाध्यक्ष हैं, जिन्होंने पार्टी के सिंबल पर नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जिताया है। सिरौली नगर पंचायत से उनकी पत्नी चमन सकलैनी अध्यक्ष हैं। चार साल से महानगर अध्यक्ष पद पर काबिज अजय शुक्ला की जगह दिनेश दद्दा को जिम्मेदारी दी गई है। हाल में ही मंडल में सबसे महंगा देसी शराब का ठेका लेने पर भी अजय शुक्ला सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बने थे।

चौकी चौराहे पर पंडित नेहरू की प्रतिमा लगवाए जाने के लिए दिनेश दद्दा आमरण अनशन पर बैठे थे। वह 30 साल से कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय हैं। कुल 12 दावेदार थे, पर दिनेश दद्दा सब पर भारी पड़े। हालांकि, कांग्रेस के निवर्तमान जिला प्रवक्ता राज शर्मा ने नेतृत्व के फैसले पर सवाल खड़ा किया है। उनका कहना है कि यह फैसला भाजपा को फायदा पहुंचाने वाला है।

लोकतंत्र विजय दिवस पर डॉ उमेश गौतम बोले लोकतंत्र सेनानी अन्याय के खिलाफ बुलंद करें अपनी आवाज

बरेली। लोकतंत्र की रक्षा करने में आपातकाल के योद्धाओं ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कहना है महापौर डॉक्टर उमेश गौतम का। वे शुक्रवार को विद्या मंदिर के सभागार में लोकतंत्र विजय दिवस पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आवाहन किया कि आज के दौर में लोकतंत्र सेनानी अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद करें। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि आज भी अधिकांश लोग अध्याय के खिलाफ चुप्पी साथ जाते हैं। डॉ उमेश गौतम ने बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं से आए लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र कुमार अटल ने कहा कि आपातकाल की पटकथा 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय द्वारा लिख दी गई थी। तानाशाही के खिलाफ और लोकतंत्र की बहाली के लिए आपातकाल योद्धाओं को 2006 में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने लोकतंत्र रक्षक सेनानी का नाम, मान और सम्मान दिया था। उन्होंने आवाहन किया लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को इमरजेंसी के काले अध्याय से वर्तमान युवा पीढ़ी को परिचित कराना चाहिए।

दलित युवक पर हमला, एफआईआर दर्ज न होने पर भीम आर्मी ने एसएसपी से की शिकायत

एनपीटी ब्यूरो

बरेली, थाना फरीदपुर क्षेत्र में दलित युवक रामप्रताप पर हुए हमले के बाद पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न करने पर भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने कड़ा रुख अपनाया। जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गौतम के नेतृत्व में भीम आर्मी के प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बरेली से मुलाकात कर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। भीम आर्मी ने पुलिस प्रशासन पर दलितों के मामलों में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी

कि यदि पीड़ित को न्याय नहीं मिला, तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा।

शिष्टमंडल में मंडल अध्यक्ष एडवोकेट विकास बाबू, लीगल सेल जिला अध्यक्ष एडवोकेट नेत्रपाल सिंह, फरीदपुर तहसील अध्यक्ष सुनीता सिंह, मीडिया प्रभारी यश राना, जिला उपाध्यक्ष सैम मैसी सहित अन्य पदाधिकारी एवं पीड़ित परिवार मौजूद रहा।

विश्व वानिकी दिवस पर वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार द्वारा वनस्पति वाटिका का उद्घाटन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली । वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ0 अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर स्मार्ट सिटी के ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

सर्वप्रथम मंत्री ने सी0बी0 गंज में आबोर्रेटम (वनस्पति वाटिका) का उद्घाटन किया। तत्पश्चात वनस्पति वाटिका का भ्रमण भी किया। इसी क्रम में वनस्पति वाटिका में रुद्राक्ष कुन्ज का रोपण मंत्री एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी द्वारा किया गया।

वानिकी दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का मुख्य आयोजन स्मार्ट सिटी ऑडिटोरियम जी0आई0सी0 में किया गयाए जिसमें सर्वप्रथम मुख्य आतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा ऑडिटोरियम में लगाए गए स्टॉल, वानिकी एवं वन्य जीव संरक्षण से सम्बन्धित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य आतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का मंच पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मुख्य आतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर विश्व वानिकी दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर मा0 मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि पेड लगाओं- पेड बचाओं अभियान, हर खेत पर मेडए हर मेड पर पेड के विषय में जानकारी दी गयी। उनके द्वारा बताया गया कि 20 मार्च को गौरया दिवस मनाया जाता है, क्योंकि जीव जंतु व पक्षी भी हमारे पारिस्थितिक तंत्र का ही हिस्सा है। पूरे देश में 80 करोड़ पौधारोपण किया गया जबकि उत्तर प्रदेश में 36.50 करोड़ पौधारोपण कियाए जिसकी सराहना प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में भी की गयी। उत्तर प्रदेश में 210 करोड़ पौधारोपण किया गया है, जिससे प्रदेश का ग्रीन एरिया 07 प्रतिशत से बढकर 9.96 प्रतिशत हो गया है जो कि देश में दूसरे स्थान पर है। ग्लोबल वार्मिंग के विषय में

विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कॉर्बन डाई ऑक्साईड जो कि ग्लोबल वार्मिंग के लिये जिम्मेदार है, को कम करने का सबसे आसान तरीका है कि हम अधिक से अधिक पौधारोपण करें ! मंत्री ने अपील की कि नगर निगम के पार्कों, औद्योगिक इकाइयों के परिसरों, सडक के दोनों ओर व डिवाडर, स्कूल, अस्पताल, कॉलेज, तालाब, नदियों के किनारे आदि रिक्त स्थानों पर पौधारोपण किया जाये और उनकी सुरक्षा भी की जाये।

कार्यक्रम में मंत्री एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उ0प्र0 लखनऊ द्वारा वानिकी एवं वन्य जीव संरक्षण में विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सी0बी0 गंज के जंगल में पायी जाने वाली वनस्पतियों के ऊपर लिखी गयी किताब का विमोचन भी किया।

महापौर डॉ0 उमेश गौतम ने अपने सम्बोधन में सुझाव दिया कि जनपद में हरित आवरण बढ़ाने के लिये सभी औद्योगिक इकाईयों एवं आवासीय परिसरों के सामने खाली रिक्त पड़ी भूमि पर उनके माध्यम से पौधारोपण कराया जाये और।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उ0प्र0 लखनऊ सुनील चौधरी द्वारा बताया गया कि हमें प्रत्येक दिवस को वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। प्राचीन काल से ह्यअरण्यह्न को वन देवी के रूप में जाना जाता है। उनके द्वारा बताया गया कि देश में उ0प्र0 राज्य के अन्तर्गत सबसे अधिक वृक्षारोपण किया गया है और इस वृक्षारोपण की जानकारी एलॉन मस्क की कम्पनी द्वारा विकसित ग्रोथ एप में दी गयी है। प्रस्तुतिकरण के माध्यम 35 करोड़ वृक्षारोपण की चुनौतियों, प्रयासए रूपरेखा व कार्ययोजना आदि की जानकारी दी गयी।

प्रबन्ध निदेशक उ0प्र0 वन निगम के0के0 सिंह द्वारा बताया गया कि विश्व वानिकी दिवस हम क्यों मना रहे हैं और वनों का हमारे जीवन में क्या महत्व है। वन विभाग द्वारा प्रदेश को हरित से हरित करने का प्रयास किया जा रहा है। उनके द्वारा बताया सर्वप्रथम वनों से ही कैंसर की दवा की खोज की गयी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व में हरित आवरण के विषय में विस्तार से अवगत कराते हुए बताया कि भारत में 25 प्रतिशत हरित आवरण है जबकि विश्व में 30-35 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश राज्य में लगभग 7-9 प्रतिशत हरित आवरण है। जनपद का 4120 वर्ग किमी0 क्षेत्रफल में लगभग 56 लाख आबादी रहती हैए जिसमें 80 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर है। विगत 07 वर्षों में अधिक से अधिक पौधारोपण कर हरित आवरण बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अंत में उनके द्वारा सभी से एक.एक पौधा अवश्य लगाने एवं उसकी सुरक्षा की अपील की गयी।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षकध्सचिव राज्य जैव विविधता बोर्ड उ0प्र0 लखनऊ बी0 प्रभाकर द्वारा सभी अतिथियों व अधिकारियों धन्यावद व्यक्त किया गया। इसी क्रम में पीलीभीत टाइगर रिजर्व की टीम द्वारा मानव वन्य जीव संघर्ष के विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

मुख्य वन संरक्षक रूहेलखण्ड जोन विजय सिंह द्वारा विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के विषय में अवगत कराया ।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, सदस्य विधान परिषद कुंवर महाराज सिंह एडवोकेट एवं वरिष्ठ समाज सेवी अनिल सक्सेना, अधिकारियों में प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उ0प्र0 लखनऊ सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण ए0के0 सिंह, प्रबन्ध निदेशक उ0प्र0 वन निगम के0के0 सिंह, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय पाठक, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक/सचिव राज्य जैव विविधता बोर्ड उ0प्र0 लखनऊ बी0 प्रभाकर, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कैम्प उ0प्र0 लखनऊ पी0पी0 सिंह, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार, मुख्य वन संरक्षक रूहेलखण्ड जोन विजय सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भण्डारी, प्रभागीय वनाधिकारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व मनीष सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी सम्भल वंदना फोगाट, प्रभारी प्रभागीय वनाधिकारी बिजनौर ज्ञान सिंह, उप प्रभागीय वनाधिकारी बरेली कमल कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी आंवला एवं बरेली जोन अपूर्वा पाण्डेय, बरेली वन प्रभाग के क्षेत्रीय वनाधिकारी व अन्य स्टॉफ एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं, किसान, उद्यमी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थे।

संपादकीय

सद्भावपूर्ण बातचीत से निकालें समाधान

खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। निजी वाहनों को भी लंबे रास्तों से सफर तय करने में अधिक समय व पेट्रोल खर्च करना पड़ रहा था। वहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें आंदोलन करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करने का कदम दमनकारी है। जैसा कि उम्मीद थी, विपक्षी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर बयानबाजी शुरू कर दी है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसान संगठन व सरकारें विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार व किसान संगठनों में अविश्वास व टकराव बढ़ा है। विडंबना यह भी है कि किसान संगठनों में मांगों को लेकर खासे मतभेद हैं। यदि सभी संगठन एमएसपी के मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते तो शायद कोई सार्थक समाधान निकल पाता। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी। जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततः स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा। सरकार को भी घाटे का सौदा साबित हो रही खेती की दशा सुधारने के लिये स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में सोचना चाहिए। वहीं कर्ज माफी की किसानों की मांग पर उदारतापूर्वक विचार करना चाहिए। जब उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया जा सकता है तो किसानों का क्यों नहीं। वहीं किसानों को भी चाहिए कि वे कृषि ऋण गैर उत्पादक कार्यों पर न खर्च करें। किसान संगठनों को भी एक मंच पर आकर जनता का विश्वास हासिल करना चाहिए, जो हाल में लगातार कम होता गया है। इस दिशा में केंद्र सरकार से भी गंभीर पहल की दरकार है। यह मुद्दा देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा है। साथ ही उन मुद्दों को भी संबोधित करने की जरूरत है जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से पैदावार घटाने में भूमिका निभा रहे हैं। यह भी कि पंजाब में लगातार गिरता भूजल स्तर किसानों के सामने नये संकट पैदा कर रहा है। ऐसे में फसल विविधता के मुद्दे को भी संबोधित करने की जरूरत है।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा

लेखक:- डॉ. अंशुला गर्ग

मेरा रंग दे बसंती चोला,ङ्ग माय रंग दे.. मेरा रंग दे बसंती चोला। इन पंक्तियों की गूंज जैसे ही सुनाई देती है, मातृभूमि के लिए अपने जीवन का सर्वस्व बलिदान देने वाले भारत माता के महान सपूत व भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के वे तीन युवा शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु का स्मरण हो पड़ता है। वे तीनों आजादी के गीत गाते हुए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। उनका शौर्य और मातृभूमि की आजादी के प्रति साहस सभी युवाओं को आज भी प्रेरणा देता है। देश की आजादी की लड़ाई में उन महान स्वंतत्रता सेनानियों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। शहीदी दिवस भारत के उन महान क्रांतिकारियों की शहादत को याद कर उन्हें नमन करने का दिन है।

अंग्रेजी हुकूमत द्वारा फांसी दिए जाने की तारीख 24 मार्च 1931 तय की गई थी, लेकिन उससे एक दिन पहले ही यानी 23 मार्च को ही उन्हें फांसी पर लटका दिया गया। उन्हें लाहौर षड्यंत्र के आरोप में फांसी पर लटकाया गया। युवा क्रांतिकारियों भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू और चंद्रशेखर आजाद ने जेम्स ए स्कॉट की हत्या करने की योजना बनाई, लेकिन गलत पहचान की वजह से इन लोगों ने सहायक पुलिस अधीक्षक जॉन सान्डर्स को गोली मार दी थी। इस घटना के कारण ब्रिटिश पुलिस, पुलिस अधीक्षक जॉन सान्डर्स की हत्या के षडयंत्रकारियों की तलाश करने में जुट गई थी। लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए इन 3 तीन क्रांतिकारी युवाओं ने केंद्रीय विधानसभा पर बम फेंकें और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। साथ ही उन्होंने अंग्रेज पुलिस अधिकारी साण्डर्स की हत्या की योजना रची थी। जिसे 17 दिसम्बर, 1928 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने अंजाम दिया।

भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव से जुड़े कुछ रोचक किस्से

भगत सिंह और उनके साथियों का दस्तावेज के साथ-साथ उनके द्वारा लिखा गया लेख मैं नास्तिक क्यों हूं? आज भी भारत में सबसे अधिक पढ़े जाने वाले लेखों में से एक है। सुखदेव, राजगुरु और भगत सिंह ने हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन असोसिएशन नामक संस्था बना कर अंग्रेजों की नाकों में दम कर रखा था। सुखदेव उन दिनों लाहौर के नेशनल कॉलेज में पढ़ाने का भी काम किया करते थे। राजगुरु आजादी की लड़ाई के दिनों में रघुनाथ के छद्म नाम से इधर-उधर घूमा करते थे। राजगुरु अव्वल दर्जे के निशानेबाज थे और सांडर्स को मारने में इन्होंने अहम भूमिका अदा की थी। जेल में अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिन की भूख हड़ताल की थी।

भगत सिंह

आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचार को नहीं। बड़े साम्राज्य का पतन हो सकता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है। केन्द्रीय असेंबली में बम फेंकने के बाद भगत सिंह द्वारा फेंके गए पर्चों पर यह लिखा था। वे चाहते थे कोई खून खराब न हो और अंग्रेजों तक उनकी बात भी पहुंच जाए। 2 साल के जेल प्रवास के दौरान भी वे क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े रहे और लेखन व अध्ययन जारी रखा। बताया जाता है की फांसी पर जाने से पूर्व वे लेनिन की जीवन पढ़ रहे थे।

भगत सिंह 8 वर्ष की छोटी उम्र में ही भारत की आजादी के बारे में सोचने लगे थे और 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपना घर छोड़ दिया था ' उन्होंने अंग्रेजों से कहा था कि ह्यफांसी के बदले मुझे गोली मार देनी चाहिएह्न लेकिन अंग्रेजों ने इसे नहीं माना। इसका उल्लेख उन्होंने अपने अंतिम पत्र में किया है। इस पत्र में भगत सिंह ने लिखा था, चूंकि ह्यमुझे युद्ध के दौरान गिरफ्तार किया गया है। इसलिए मेरे लिए फांसी की सजा नहीं हो सकती है। मुझे एक तोप के मुंह में डालकर उड़ा दिया जाय। ऐसा कहा जाता है कि भगत सिंह मुस्कुराते हुए फांसी के फंदे पर झूल गए थे। वास्तव में निडरता के साथ किया गया उनका यह अंतिम कार्य ह्यब्रिटिश साम्राज्यवाद को नीचाह्न दिखाने के लिए था। कोई भी मजिस्ट्रेट भगत सिंह की फांसी की निगरानी करने के लिए तैयार नहीं था। मूल मृत्यु वारंट की समय सीमा समाप्त होने के बाद एक मानद न्यायाधीश ने फांसी के आदेश पर दस्तखत किया और उसका निरीक्षण किया। जब उनकी मां जेल में उनसे मिलने आई थी तो भगत सिंह जोरों से हंस पड़े थे। यह देखकर जेल के अधिकारी भौचक्के रह गए कि यह कैसा व्यक्ति है जो मौत के इतने करीब होने के बावजूद खुले दिल से हंस रहा है।

सुखदेव

सुखदेव ने भगत सिंह, कॉमरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन किया। उन्होंने भारत मां की आजादी के साथ 1929 में जेल में बंद भारतीय कैदियों के साथ हो रहे अपमान और अमानवीय व्यवहार किये जाने के विरोध में भी आवाज उठायी थी।

राजगुरू

राजगुरू बहुत ही कम उम्र में वाराणसी आ गए थे जहां उन्होंने संस्कृत और हिंदू धार्मिक शास्त्रों का अध्ययन किया और वहीं भारतीय क्रांतिकारियों के साथ संपर्क में आए। स्वभाव से उत्साही राजगुरू स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने के लिए इस आंदोलन में शामिल हुए और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (ऌरफ्अ) के सक्रिय सदस्य बन गए। बचपन से ही उनके अंदर जंग-ए-आजादी में शामिल होने की ललक थी। वाराणसी में विद्याध्ययन करते हुए उनका सम्पर्क अनेक क्रान्तिकारियों से हुआ। वे चन्द्रशेखर आजाद से इतने अधिक प्रभावित हुए कि उनकी पार्टी हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से तत्काल जुड़ गए। राजगुरु क्रांतिकारी तरीके से हथियारों के बल पर आजादी हासिल करना चाहते थे। आजाद की पार्टी के अन्दर उन्हें राजगुरु की जगह रघुनाथ के छद्म-नाम से जाना जाता था।

इन तीन रणविजयी वीरों के बलिदान ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए एक नई गति प्रदान की है। उनके इस बलिदान ने नए क्रांतिकारियों को आंदोलन में शामिल होने तथा भारत को ब्रिटिश शाही शासन से स्वतंत्रता प्राप्त कराने और एक समतावादी समाज की स्थापना करने के लिए प्रेरित किया है। भारत विकास और आधुनिकता के रास्ते पर अग्रसर है, इसलिए उन महान पुरुषों के बलिदान को महसूस करना काफी आवश्यक है, जिन्होंने अपने प्राणों को सिर्फ इसलिए न्यौछावर कर दिया, ताकि हम आजादी की ताजी हवा में साँस ले सकें।

अध्ययनकर्ता, जनसंचार एवं पत्रकारिता पूर्व सहायक प्राध्यापक है।

सामाजिक सुरक्षा ही सुनिश्चित करेगी खुशी

सरकारें क्या कभी स्थायी सामाजिक सुरक्षा, जिसमें आशियाना-आबोदाना और स्वास्थ्य लाभ शामिल हैं, उस पर सोचेंगी? यह किसी भी नागरिक को स्थायी खुशियां प्रदान करती हैं। फिनलैंड और नॉर्डिक देशों की सरकारों ने इसका ध्यान रखा, तभी वो सबसे आगे हैं! गुरुवार को प्रकाशित वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, फिनलैंड को लगातार आठवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश घोषित किया गया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में अन्य नॉर्डिक देश एक बार फिर खुशहाली रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। फिनलैंड के अलावा, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन शीर्ष चार में क्रमशः बने हुए हैं। आप क्या केवल धन से खुश हैं? यह बात विश्व खुशहाली रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होती। पूरी जीवनशैली का आकलन इनकी रेटिंग का आधार होता है। किसी देश की रैंकिंग लोगों द्वारा जीवनशैली के लिए पूछे जाने पर दिए गए उत्तरों पर आधारित थी। यह अध्ययन एनालिटिक्स फर्म गैलप और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क के साथ साझेदारी में किया गया था। गैलप के सीईओ जॉन क्लिफ्टन ने कहा, खुशी केवल धन या विकास के बारे में नहीं है- यह विश्वास, आपसी संबंध और यह जानने के बारे में है, कि लोग आपका साथ दे रहे हैं। अगर हम मजबूत समुदाय और अर्थव्यवस्था चाहते हैं, जो वास्तव में सरकार और समाज को जोड़ती है, तो हर साल होने वाला आकलन उस देश विशेष के काम आता है। दिलचस्प है, कि सारी दुनिया को ज्ञान देने वाला अमेरिका इस रेटिंग में 24वें स्थान पर आ गया है, जो 2012 में पहली बार रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद से उसका सबसे कम स्कोर है। शोधकताओं का कहना है, कि स्वास्थ्य और धन के अलावा, खुशी को प्रभावित करने वाले कुछ कारक भ्रामक रूप से सरल लगते हैं : दूसरों के साथ भोजन साझा करना, सामाजिक समर्थन के लिए किसी पर भरोसा करना और घर का आकार हमारे पैरामीटर्स थे। उदाहरण के लिए, मेक्सिको और यूरोप में, चार से पांच लोगों का घर खुशी के उच्चतम स्तर को दशार्ता है। नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार, दूसरों की दयानतदारी पर विश्वास करना भी इस शोध का एक पहलू रहा है। अध्ययन में पाया गया, कि नॉर्डिक राष्ट्र खोए हुए बटुए की अपेक्षित वापसी के मामले में शीर्ष स्थानों में शुमार हैं। खोया हुआ बटुआ से आशय वैसा धन, जिस पर उसके नागरिकों का हक है, या फिर वो पैसे भी, जो किसी ने मार लिये हों। नॉर्डिक देशों में बटुए की वापसी की वास्तविक दरें, लोगों की अपेक्षा से लगभग दोगुनी हैं। खुशियों की रैंकिंग में शीर्ष 20 में यूरोपीय देशों का दबदबा है, लेकिन कुछ अपवाद भी हैं। हमास के साथ युद्ध के बावजूद, इस्त्राइल 8वें स्थान पर आया। कोस्टा रिका 6वें, और मैक्सिको पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए। कभी खुशी-कभी गम से संयुक्त राज्य अमेरिका मुक्त नहीं है। अब वह 24वें स्थान पर पहुंच गया है, इससे पहले 2012 में अमेरिका 11वें स्थान पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका में अकेले भोजन करने वाले लोगों की संख्या में 53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चीन 68वें स्थान पर आया, जो पिछली रिपोर्ट में 60वें स्थान से नीचे है। ब्रिटेन 23वें स्थान पर है, जहां सरकार और समाज को हम सहिष्णु समझते हैं। अफगानिस्तान को फिर से दुनिया का सबसे नाखुश देश माना गया है। अफगान महिलाओं का कहना है, कि उनका जीवन बद से बदतर होता गया है। पश्चिमी अफ्रीका में सिएरा लियोन दूसरे सबसे दुखी देश है। उसके बाद लेबनान है, जो नीचे से तीसरे स्थान पर है। सभी देशों को 2022 से 2024 के दौरान उनके स्व-मूल्यांकन किए गए जीवन के अनुसार रैंक किया गया है। इसमें खुशहाली को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया जाता है- सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की स्थिति। सवाल यह है, कि इस पूरे पैरा मीटर में भारत कहां खड़ा है? 2012 से दुनिया के देशों में खुशहाली की रेटिंग शुरू हुई, इसलिए मोदी शासनकाल का आकलन अहम हो जाता है। मोदी शासन के पिछले 10 वर्षों में, भारत विश्व प्रसन्नता सूचकांक में 2014 में 111वें स्थान से 2024 में 126वें स्थान पर 15 पायदान नीचे गिर गया था।

विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2025 पर विशेष

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ह्लग्लेशियर संरक्षणह्व, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है।

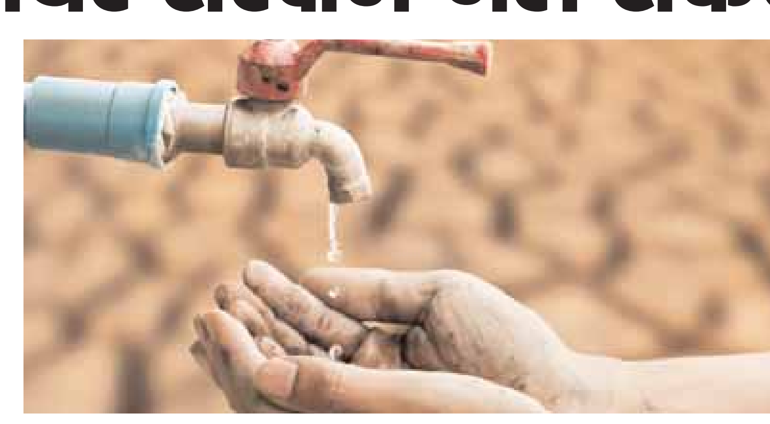

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है।

दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो ह्यअब भी खरे है तालाबह्न कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। राजा-महाराजाओं तथा सेठ-साहूकारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अपने नाम को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इन प्रदेशों के विभिन्न भागों में कलात्मक बावड़ियों, कुओं, तालाबों, झालरों एवं कुंडों का निर्माण करवाया। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं।

राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से अनुकरणीय हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्त्रोतों को पूजा जाता है। जल की कमी दुनिया के लिए एक उभरती हुई वास्तविकता एवं ज्वलंत समस्या है। चूंकि जलवायु परिवर्तन और जल की कमी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, इसलिए इनमें से किसी एक मुद्दे का मुकाबला करने के तरीके खोजने से दूसरे की बेहतरी में मदद मिलेगी, इसमें ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान हो सकता है।

ड्यूटी के दौरान महिला दरोगा के कमरे में घुस गया एसआई, नशे में किया रेप का प्रयास, गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा जिले के मगोर्रा थाने में तैनात उप निरीक्षक ने थाना परिसर में रह रही महिला दरोगा के कमरे में बुधवार रात घुस कर दुष्कर्म का प्रयास किया। आरोपी शराब के नशे में था। जानकारी होने पर डीआईजी/एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने मामले की जांच कराई। मामला सही पाये जाने पर दरोगा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। थाने में पुलिस कर्मी अपनी-अपनी ड्यूटी पर थे। वहां तैनात महिला दरोगा थाना परिसर स्थित अपने कमरे में थी। बुधवार देर रात करीब तीन बजे शराब के नशे में एक दरोगा थाना परिसर में महिला दरोगा के क्वार्टर में घुस गया। दरोगा ने महिला दरोगा के साथ छेड़खानी शुरू कर दी और दुष्कर्म का प्रयास किया। यह देख महिला दरोगा घबरा गयी। उसने शोर मचा दिया। थाना परिसर में महिला के क्वार्टर से शोर होने पर थाना परिसर में मौजूद पुलिस कर्मी दौड़े। यह देख आरोपी दरोगा वहां से चला गया। महिला दरोगा ने साथी पुलिस कर्मियों को पूरी घटना बतायी। तुरंत ही इस मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया। इस खबर से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। डीआईजी/एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने इसे गंभीरता से लेते हुए तुरंत मामले की जांच के लिए एसपी देहात व सीओ गोवर्धन को लगा दिया। गुरुवार सुबह ही पुलिस अधिकारी थाने पर पहुंच गए और जांच शुरू हो गई। जांच में सही मिलने पर एसपी देहात और सीओ गोवर्धन ने डीआईजी/एसएसपी शैलेश पांडेय को अवगत कराया। इसके बाद पीड़िता महिला दरोगा की तहरीर पर आरोपी दरोगा के खिलाफ गुरुवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया, महिला दरोगा अपने कमरे में थी। तभी शराब के नशे में एक दरोगा उनके कमरे में घुस गया और उनके साथ छेड़खानी व अभद्रता की। मामला संज्ञान में आने पर जांच कराकर पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। आरोपी दरोगा गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सास ने बेटे के साथ मिलकर समधी की तवा-फूंकनी से पीटकर की हत्या

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। छाता कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति को उसकी समधन एवं उसके बेटे ने मार डाला।?व्यक्ति अपने दामाद की मौत के बाद दस्तावेज लेने बेटी की ससुराल गया था।?यहां उस पर आरोपियों ने तवा-फूंकनी से हमला किया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्र ने बताया कि बृहस्पतिवार की दोपहर जैंत के परखम गुर्जर निवासी चंद्रपाल (52) अपनी बेटी की ससुराल सेवलगढ़ आए थे। यहां उन्होंने बेटी करीना से स्वर्गीय दामाद के कुछ कागजात मांगे। बेटी उन्हें कागजात देती इससे पहले ही बेटी का जेठ सुनील कुमार और उसकी सास कमलेश घर पहुंच गए। उन्होंने चंद्रपाल को गाली देना शुरू कर दिया। इसका विरोध किया तो दोनों ने तवा, बांक और फूंकनी से उसके ऊपर प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। बेटी करीना ने अपने पिता को बचाने का प्रयास किया तो उसे धक्का देकर एक ओर कर दिया। सुनील की पिटाई से चंद्रपाल मरणासन्न हालत में पहुंच गए। करीना ने इसकी जानकारी पुलिस और अपने मायके वालों को दी। सूचना पर मायका पक्ष के लोग थाने पहुंच गए। पुलिस सूचना के बाद वारदात स्थल पर पहुंची। पुलिस घायल को लेकर निजी अस्पताल पहुंची। यहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अन्य अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

पुलिस उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंची। यहां उपचार के दौरान चंद्रपाल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। फॉरेंसिक टीम ने हत्या से संबंधित काफी साक्ष्य एकत्रित किए हैं। पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार और मां कमलेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

रासी ग्लोबल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया विश्व गौरैया दिवस

मैनपुरी - शहर के रासी ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल पर विश्व गौरैया दिवस धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय डायरेक्टर डॉ राजीव कमल मिश्रा, प्रधानाचार्य डॉ रिचा मिश्रा, मुख्य अतिथि संजय कुमार मल्ल के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। छात्र-छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि संजय कुमार ने अपने शब्दों के माध्यम से बच्चों को स्पैरो चिड़िया की महत्व को बताया। कहा की वह जिस तरह अलग-अलग जगह से जाकर दाना चुगति है और उन दानों के बीच कहीं ना कहीं अपनी यादें छोड़ देती है। जिससे हमारी प्रकृति हरी भरी होती है। उन्होंने यह भी बताया कि आज कम्युनिकेशन नेटवर्क के कारण हमारे प्रकृति में दिन पर दिन इन चिड़ियों का अंत हो रहा है। इसलिए हमारे देश ने वर्ल्ड स्पैरो डे को मनाना प्रारंभ किया है। यह कार्यक्रम 2010 से प्रारंभ हुआ था और प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। विवेकानंद दुबे ने अपने शब्दों के माध्यम से बच्चों को समझाया कि हम सभी मिलकर यह शपथ लेते हैं। कि हम आज से हर जगह पर चिड़ियों के लिए घोसला लगाएंगे।

हमको जहां भी चिड़िया दिखेंगी उन सब जगह पर अपने-अपने घरों की छत पर एक कटोरी में दाना और पानी रखेंगे। जिससे अधिक से अधिक चिड़िया को बचाया जा सके। इस मौके पर वंदना देवी, अपूर्व सक्सेना, दीपा सिसौदिया, ज्योति शाक्य, शिवानी पाल, प्रेमदीप यादव, उत्कर्ष सहाय, वैष्णवी आदि लोग मौजुद थे।

शाहबाद पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार न्यायालय में पेश किया

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। शुक्रवार को शाहबाद पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया।कोतवाल पंकज पंत ने बताया कि ग्राम मोतीपुरा थाना शाहबाद जनपद रामपुर का वांछित सोबरन पुत्र बुद्धि एक मामले में वांछित चल रहा था, शुक्रवार को उसके मकान से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया।

मथुरा के छाता में युवक पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का प्रयास

मथुरा। छाता कोतवाली क्षेत्र में युवक को पुरानी रंजिश के चलते बंधक बना लिया। इसके बाद उसके मुंह में कपड़ा ठूंस कर मारपीट की और पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का प्रयास किया। हमलावर उसे रास्ते में छोड़कर भाग गए। सूचना पर पहुंची ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्र ने बताया कि गांव अलवाई निवासी तोताराम और रमनलाल में ढाई साल से रंजिश चल रही है। बृहस्पतिवार की रात को तोताराम चक्की बंद करके साइकिल से गांव लौट रहा था। तभी रास्ते में से उसे कुछ लोगों ने बंधक बना लिया। बंधक बनाने वालों ने उसके मुंह में कपड़ा ठूंस कर उसकी पिटाई की और पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का प्रयास किया। पिटाई के बाद हमलावर तोताराम को छाता गोवर्धन रोड प्रगति पब्लिक स्कूल के पास फेंक कर चले गए। किसी राहगीर ने उन्हें पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। पुलिस तोताराम को थाने लेकर आई। यहां उसने बताया कि रमनलाल, सुशांत और उनके एक साथी ने बंधक बनाकर पिटाई की है। पुलिस ने तोताराम को उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

विरोधी खत्म हो चुके मुकदमों को उठाकर करते हैं घेरने का प्रयास: हरिशंकर राजू यादव

मथुरा। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने विरोधियों पर खत्म हो चुके मुकदमे उठाकर घेरने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गोधरा कांड के बार राजनीतिक विद्रोहियों ने छलपूर्वक उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कराए थे। 16 मार्च को भारतीय जनता पार्टी ने नए जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के नामों की घोषणा की थी। हरिशंकर राजू यादव को पार्टी ने महानगर अध्यक्ष की कमान सौंपी थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी हिस्ट्रीशीट और उन पर दर्ज मुकदमों की सूची वायरल हो रही है। महानगर अध्यक्ष ने इसे विरोधियों की चाल बताया है। उन्होंने बताया कि 2002 में उनके साथ ही पांच अन्य कार्यकताओं पर भी राजनीतिक विरोधियों ने फर्जी मुकदमे दर्ज कराए थे। ये मुकदमे गोधरा कांड के बाद पार्टी के आह्वान पर भारत बंद को लेकर दर्ज कराए गए थे। तब वह बजरंग दल के संयोजक भी थे। बाद में जब न्यायालय में मामला पहुंचा तो आरोप साबित नहीं हो सके। इसके बाद उन्हें न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया गया। वर्तमान में उन पर कोई भी संबंधित मुकदमा नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि राजनीतिक द्वेष रखने वाले लोग बार-बार उन पर दर्ज मुकदमों को उठाकर घेरने का प्रयास करते है। सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही हिस्ट्रीशीट के बारे में उन्होंने बताया कि उनकी हिस्ट्रीशीट 2010 में बंद की जा चुकी है। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक और डीआईजी ने मुकदमों में दोषमुक्त होने के बाद निगरानी बंद करने और हिस्ट्रीशीट बंद करने के आदेश दिए थे। इस पर हिस्ट्रीशीट बंद भी की जा चुकी है। अब उनकी कोई निगरानी नहीं हो रही है।

ग्राम नानामऊ में शहीद वीरेंद्र सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण सांसद डिम्पल यादव ने किया

कुरावली /मैनपुरी - ग्राम नानामऊ में शहीद वीरेंद्र सिंह यादव के माननीय सांसद डिंपल यादव तेज प्रताप सिंह यादव राजकुमार उर्फ राजू यादव डिंपलयादव जी ने फीता काटकर शहीद वीरेंद्र सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण किया शहीद वीरेंद्र सिंह की पत्नी मुकेश कुमारी यादव ने व उनके परिवार के सभी सदस्यों ने अपनी भीगी आंखों से शहीद वीरेंद्र सिंह यादव की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा श्रद्धांजलि दी इस मौके पर करनल सुरेश चंद यादव हुकुम सिंह यादव राजेश यादव सुरेंद्र सिंह यादव नरेंद्र यादव प्रेम कुमार शाक्य नीरज शाक्य श्री चंद मिश्रा प्रेमचंद मिश्रा विवेक मामा नेत्रपाल सक्सेना श्री कृष्ण कश्यप प्रवेश सक्सेना दयाराम शाक्य अरनव शाक्य सक्सेना शिवेंद्र शाक्य नसीम खान शिवम चौधरी मोहित यादव शिवम यादव अशोक यादव प्रवेश यादव अवनीश यादव बबलू यादव तपन सिंह यादव दीपक यादव दिनेश चंद्र यादव नरेश यादव सुशील यादव संजीव यादव लालू यादव रवि शाक्य अनूप शाक्य मौजूद रहे ।

तेंदुए ने दी दस्तक, आंगन में खेल रहे बालक को बनाया निवाला; गांव में दहशत...मासूम की लाश देख चीख उठे घरवाले

बहराइच। बहराइच में शाम को तेंदुए ने दस्तक दी। तेंदुए ने आंगन में खेल रहे बालक को निवाला बनाया। घटना से गांव में दहशत फैल गई। मासूम की लाश देखकर घरवाले चीख उठे।

यूपी के बहराइच में शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे घर में खेल रहे बालक को तेंदुआ उठा ले गया। बालक को अपना निवाला बना लिया। हमले के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। घटना कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली वनरेंज के भैंसाही गांव की है। भैंसाही निवासी पांच वर्षीय बालक विक्की शाम को घर के आंगन में खेल रहा था। घर के अन्य परिजन दूसरे कामों में व्यस्त थे। इसी दौरान अचानक तेंदुए ने दस्तक दी। तेंदुए ने विक्की पर हमला कर दिया। परिजन जब तक कुछ समझ पाते तेंदुआ विक्की को गले से दबोच कर खेतों की ओर भाग गया। बालक की चीख सुनकर परिजन पीछे दौड़े। ग्रामीणों ने भी हांका लगाया। परिजनों के शोर मचाने और पीछा करने पर तेंदुआ विक्की को गांव किनारे बाग में छोड़कर भाग गया। लेकिन, चेहरे और गले पर गंभीर घाव होने से विक्की की मौके पर ही मौत हो गई। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

मृतकों को राशन, जीवितों को आश्वासन

मथुरा। राशन कार्ड में भी अजब-गजब खेल चल रहे हैं। जिला पूर्ति विभाग के कार्यालय में भागदौड़ करने के बाद भी लोगों के राशन कार्ड नहीं बन रहे हैं, वहीं शासन से मिली सूची में 10,800 लोग ऐसे शामिल हैं, जो मरने के बाद भी हर माह फ्री का राशन उठा रहे हैं। जिले में 18,63,437 लोगों को हर माह खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन दिया जा रहा है। इसमें से 10,800 लोगों की मौत हो चुकी है। बावजूद इसके परिजन मृतकों के नाम का भी राशन ले रहे हैं। सरकार की ओर से जारी होने वाले ऑनलाइन मृत्यु प्रमाण पत्र का सार्वजनिक वितरण प्रणाली का एकीकृत प्रबंधन (आईएमपीडीएस) माध्यम से कार्डधारकों का मिलान किया गया तो इसका खुलासा हुआ। अब जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय के यहां से इन मृतकों के नाम हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

जिले की पांच तहसील मथुरा, महावन, मांट, गोवर्धन और छाता निवासी इन मृतकों के नाम हटाने के लिए विभाग के पूर्ति निरीक्षक को जिम्मेदारी दी गई तो उन्होंने मृतक के परिजन के केवाईसी के बाद इनके नाम को हटवाया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 4 लाख 64 हजार कार्डधारकों के कार्ड में 18 लाख से अधिक यूनिट शामिल हैं। इन्हें हर माह राशन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पात्र गृहस्थी राशन कार्ड पर प्रति यूनिट पांच किलो राशन दिया जाता है। जो लगभग 130 रुपये का बनता है। ऐसे में 10,800 लोग जो मर गए हैं उनके परिजन लगभग 14 लाख रुपये का राशन हर माह डकार रहे थे। पिछले दिनों शासन ने अपात्र और मृतकों का पता करने के लिए कार्डधारकों की ई-केवाईसी अनिवार्य कर दी। विभाग ने अब इस प्रक्रिया को तेज कर दिया है। जिले में 78 प्रतिशत लोगों की ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो गई है। जिला पूर्ति अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतकों के नाम कार्ड से हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। लगातार ई-केवाईसी करने के निर्देश दिए गए हैं।

आईएएस अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की जांच करेगी विजिलेंस, वसूली के कारण किए गए हैं निलंबित

लखनऊ। यूपी में निवेश के लिए एक पॉवर कंपनी से रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित किए गए इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की जांच की जाएगी।

एसएईएल सोलर पॉवर कंपनी का प्रोजेक्ट मंजूर करने के लिए रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित किए गए इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश की संपत्ति की जांच की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, नियुक्ति विभाग ने इस संबंध में गृह विभाग को पत्र भेज दिया है।

आईएएस अभिषेक प्रकाश पर एसएईएल सोलर पॉवर कंपनी का प्रोजेक्ट मंजूर करने के लिए घूस मांगने का आरोप है। इस मामले में सोलर कंपनी की ओर से राजधानी के गोमतीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराने के साथ गोमतीनगर के विराम खंड निवासी बिचौलिए निकांत जैन को हुसड़िया चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

सूत्रों के मुताबिक आईएएस अभिषेक प्रकाश ने कंपनी संचालकों से निकांत जैन से संपर्क करने को कहा था। मूल रूप से मेरठ के शांतिनगर निवासी निकांत जैन ने प्रोजेक्ट को मंजूर करने के लिए उसकी कुल लागत की पांच फीसदी रकम रिश्वत के रूप में मांगा था। जिसके बाद कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत दास ने मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से इसकी शिकायत की थी।

उन्होंने शिकायत में कहा था कि उनके ग्रुप ने यूपी में सोलर सेल और सोलर ऊर्जा से संबंधित कलपुर्जे बनाने का संयत्र स्थापित करने के लिए इंवेस्ट यूपी के कार्यालय में आवेदन किया था। उन्होंने ऑनलाइन तरीके से भी प्रार्थना पत्र भेजा था। मूल्यांकन समिति की बैठक में उनके प्रोजेक्ट पर विचार करने से पहले इंवेस्ट यूपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्राइवेट व्यक्ति श्री जैन का नंबर दिया और उनसे बात करने को कहा।

उन्होंने कहा कि बात करने के बाद उनका मामला एम्पावर्ड कमेटी और कैबिनेट में तुरंत अनुमोदित हो जाएगा। उनके कहने पर मैंने जैन नामक व्यक्ति से बात की, जिसने 5 फीसद कमीशन देने की बात कही और एडवांस मांगा। मेरे ग्रुप के मालिक इस प्रोजेक्ट को लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिल चुके थे, जिसकी वजह से मैंने पैसा देने से मना कर दिया।

बाद में मुझे पता चला कि मेरे मामले में संस्तुति के बावजूद पत्रावली में प्रकरण को टाल दिया गया है। जैन से बात करने पर उसने कहा कि मैं और मेरे मालिक चाहे जितना भी प्रयास कर लें, उन्हें हमारे पास ही आना होगा, अन्यथा काम नहीं होगा। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि मेरे मालिक इस प्रोजेक्ट को दूसरे प्रदेश में ले जा सकते हैं। लिहाजा इन लोगों पर कार्रवाई करने के साथ प्रोजेक्ट को मंजूर किया जाए।

जांच में सही पाए गए आरोप, सीएम योगी ने दिया निलंबित करने का आदेश-मुख्य सचिव से शिकायत के बाद जब इस प्रकरण की गोपनीय जांच कराई गई तो आरोप सही पाए गए। जिसके बाद पूरे प्रकरण से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने तत्काल इंवेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को निलंबित करने और पूरे प्रकरण की जांच के लिए मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। जिसके बाद पुलिस ने बिचौलिए निकांत जैन को चिन्हित करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

तृतीय अर्शदीप सिध्दू मैमोरियल सूटिंग चैम्पियनशिप में के क्षितिज शर्मा ने जीता गोल्ड मेडल

ललितपुर, गायत्री राइफल क्लब बड़ौत के तत्वावधान में आयोजित तृतीय अर्शदीप सिध्दू मैमोरियल सूटिंग चैम्पियनशिप में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपदों के सूटरों ने अपने हुनर के साथ जौहर दिखाए।

के जे एस एस आर सूटिंग एकेडमी के प्रशिक्षू क्षितिज शर्मा ने गोल्ड मेडल जीत कर जनपद का नाम रोशन किया। क्षितिज शर्मा के मुख्य कोच मुकेश यादव ने बताया कि प्रतियोगिता के मुख्य आयोजक कपिल शर्मा अध्यक्ष गायत्री राइफल क्लब के संयोजन में आयोजित प्रतियोगिता में जूरी मेंबर के रूप में विक्रांत तोमर, पिस्टल एवं राइफल जूरी के रूप में सुधीर तोमर, जोनी चौधरी,अरूण चौधरी रहे तथा अपील जूरी विपिन राना ने अपना योगदान किया।

आयोजन सचिव विपिन ढांगी, कोओडीर्नेटर महबूब पठान तथा आब्जर्वर आदेश चौधरी आगरा व रेंज डिसीप्लेन मुकेश चौधरी अध्यक्ष राइफल क्लब शामली उपस्थित रहे।

जे एस एस आर सूटिंग एकेडमी से इस प्रतियोगिता में आकाश डागर, क्षितिज शर्मा, अनुश्रेष्ठ गौतम, विक्रांत चौधरी, ने प्रतिभाग किया।

क्षितिज शर्मा को गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व लेखाकार मुकन्द वल्लभ शर्मा, उत्तम प्रयास संस्था के कोषाध्यक्ष ललित मोहन शर्मा, महिला उन्नति प्रशिक्षण संस्थान मुरादनगर की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश शर्मा, श्रीमती राजकुमारी, प्रमोद कुमार शर्मा, त्रिजय शर्मा, रिया वल्लभ शर्मा, बांकेलाल उपाध्याय, चारूल शर्मा, पंख होसलों की उड़ान संस्था की राष्ट्रीय सचिव भावना शर्मा , शिवाजीत चौधरी, नीरज चौधरी, आदित्य यादव, कुलदीप यादव,योगेन्द्र उपाध्याय, कपिल शर्मा, प्रिया राजन चौधरी, विकास शुक्ला, आशीष वर्मा, वंशिका शर्मा, अंशिका, प्राची, अनुज , चीकू उपाध्याय, जिला खेल अधिकारी पूनम विश्नोई, मानव सेवा सामाजिक संस्था के सचिव चेतन सिंह, नितिन कुमार, महिला मंगल दल कुशलिया की अध्यक्ष नेहा खान, आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्राचीन बाबड़ी से हटवाया जाए कब्जा विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर महरौनी किला की बाबरी पर किए गए कब्जे को हटाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि कस्बा महरौनी में कोतवाली के पीछे महाराजा मर्दन सिंह का किला है। किले के दक्षिण ओर पुरातात्विक एक बावडी स्थित है। जिसे कुछ दबंग एवं असमाजिक तत्वों द्वारा आरसीसी स्लेब से बंद कर कब्जा कर लिया है। आरोप है कि असमाजिक तत्वों द्वारा

धार्मिक झण्डे लगाकर धार्मिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

ज्ञापन में अवैध कब्जा हटवाए जाने की मांग की है। ज्ञापन पर जिला मंत्री रामेश्वर मालवीय, नगराध्यक्ष संजय जैन, नितिन पाराशर, सह संयोजक बृजेन्द्र सिंह गौर आदि के हस्ताक्षर हैं।

पुलिस के चार पहिया वाहन व एक्सयूव्ही में हुई भिड़न्त मामले में केस दर्ज

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर विगत मंगलवार को नेशनल हाईवे बिरधा तिराहे के पास पुलिस वाहन व एक्सयूव्ही कार की आने सामने की भिड़न्त हो गयी थी, इस दुर्घटना में पुलिस वाहन में सवार नाराहट थाना प्रभारी निरीक्षक, चालक सहित चार पुलिस कर्मी व एक वारंटी घायल हो गये थे। इस प्रकरण में गुरुवार को पुलिस जीप चालक थाना नाराहट में तैनात मुख्य आरक्षी मुश्ताक खां की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने एक्सयूव्ही चालक के खिलाफ केस दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि मंगलवार को नाराहट थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार पुलिस के सरकारी वाहन टाटा सूमों संख्या यू.पी.94 जी 0289 से चालक मुश्ताक खां, हेड कांस्टेबित योगेश कुमार व होमगार्ड कमलचंद व वारंटी ग्राम गौना निवासी अनीस खॉ पुत्र अल्लानूर को लेकर वाहन से मुख्यालय स्थित न्यायालय की ओर आ रहे थे। तभी नेशनल हाईवे पर काम चलने के कारण हाईवे को वन-वे होने के चलते सागर की ओर जा रही एक्सयूव्ही कार बिरधा तिराहे के पास हाईवे पर सामने से आ रही कार से टकरा गयी। एक्सयूव्ही कार के ऐयर बैग खुल जाने के कारण कार सवार चोटिल होने से बच गये, तो वहीं पुलिस वाहन में सवार नाराहट प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार, हेड कांस्टेबिल योगेश कुमार, कां. मुश्ताक, होमगार्ड कमलचंद्र के अलावा वारण्टी अनीस खान दुर्घटना के दौरान घायल हो गये थे। तो वहीं इस प्रकरण में हमीरपुर के ग्राम गुसियारी निवासी मुख्य आरक्षी मुश्ताक खां चालक की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने एक्सयूव्ही कार चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (ए), 125 (बी), 324 (4) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर में होली महोत्सव श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ मनाया

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर परिसर में आज होली के छठवें दिन होली महोत्सव मनाया गया जिसमे भक्तों ने रंग गुलाल उड़ा कर जमकर खेली होली ।

श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर के श्रद्धालु रज्जन चौबे ने बताया है कि हर वर्ष होली के छठवें दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालु भक्तजन मंदिर परिसर में आते हैं और श्री लक्ष्मी नृसिंह भगवान के लिए रंग गुलाल चढ़ाकर एक दूसरे भक्तजन के साथ होली महोत्सव का कार्यक्रम मनाया जाता है और मंदिर परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया जाता है जिसमें जनपद के कई वरिष्ठ नागरिक आकर होली महोत्सव में शामिल होकर धर्म लाभ लेते हैं।

खाद्य पदार्थों में मिलावट से सम्बन्धित मामलों की प्रवर्तन कार्यवाही में लाए तेजी- एडीएम

चित्रकूट ब्यूरोः खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए गठित जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें खाद्य सुरक्षा से सम्बन्धित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में समिति द्वारा खाद्य सुरक्षा मामलों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं विनियमों को त्वरित गति से लागू करने, आम जनमानस को सुरक्षित एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थ व गुणवत्तापरक औषधियां उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में कार्ययोजना तैयार करने के लिए विचार विमर्श किया गया। इस दौरान सहायक खाद्य आयुक्त प्रियंका सिंह ने समिति को अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में

बीते नवम्बर माह से फरवरी माह तक जनपद में छापामार अभियान चलाकर विभिन्न खाद्य पदार्थों के 253 नमूनें जॉच के लिए संग्रहित किए गए है। जिनमें से प्राप्त 177 जांचों के परिणाम में 84 परिणाम मानक के अनुरूप नही पाये गये हैं। जिन पर विधिक कार्यवाहियों की गई है। बताया कि साथ ही अपर जिलाधिकारी न्यायालय में कुल 123 वाद एवं सीजेएम कोर्ट में कुल आठ वाद दाखिल किये गये हैं। जिसमें से अब तक कुल 52 वाद निस्तारित करते हुए 6,12,000 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया हैं। बताया कि आबकारी, सरकारी सस्ते गल्ले एवं मण्डी के समस्त प्रतिष्ठानों को भी खाद्य अनुज्ञप्ति व पंजीकरण से आच्छादित किया जाना है। जिस पर अपर जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी एवं मण्डी सचिव को सभी प्रतिष्ठानों को खाद्य अनुज्ञप्ति व पंजीकरण से आच्छादित कराने के निर्देश दिए। एडीएम ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवर्तन कार्यवाहियों में तेजी लाते हुए वादों को न्यायालयों में ससमय संस्थित किया जाय तथा वादों की प्रभावी पैरवी की जाय। जिससे वाद जल्द से जल्द निस्तारित हो सकें।

इस मौके पर जिला आबकारी अधिकारी, डीएसओ, डीपीओ, होम गार्ड विभाग के अधिकारी सहित अन्य गणमान्य, खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिला जज ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया कारागार का निरीक्षण

चित्रकूट ब्यूरोः जनपद न्यायाधीश राकेश त्रिपाठी ने शुक्रवार को पुलिस-प्रशासनिक व न्यायिक अधिकारियों के साथ जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही सम्बन्धित जेल अधिकारियों को आवश्यक सुधार के लिए निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश ने महिला बैरिक में निरुद्ध महिला कैदियों, चिकित्सालय एवं पाकशाला (रसोई घर), हाई सिक्योरिटी व हाता नंबर तीन के बैरिकों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महिला बैरिक के निरीक्षण करते समय जनपद न्यायाधीश व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने निरुद्ध महिला कैदियों से खानपान व होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अस्पताल वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती कैदियों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय पर कारागार में निरुद्ध कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें। हाई सिक्योरिटी में निरुद्ध कैदियों से भी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों ने पाकशाला का निरीक्षण किया। जहां मीनू के अनुसार भोजन बनते हुए पाया गया। इस दौरान जनपद न्यायाधीश व पुलिस अधीक्षक ने जेल अधीक्षक से कहा कि कैदियों को भोजन व नाश्ता प्रतिदिन मीनू के अनुसार शुद्धता के साथ दिया जाए। इसमें कोई अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, सीजीएम राजेंद्र प्रसाद भारती, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज नीलू मेनवाल सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक सम्पन्न

चित्रकूटः भारतीय सिंधु सभा की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। जिसमें सिंधी समाज के आगामी प्रमुख पर्व झूलेलाल जयंती चेती चंद की तैयारियों की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए इस बार पर्व को धूमधाम से मनाने पर सहमति जताई गई। इस मौके पर विवेक आसवानी, राजीव लखानी, साधु राम, श्याम लाल, कुक्कू, सुरेश लेखराज, जैकी किशोर, प्रदीप, मनोज, जॉनी भावना, शायना आदि मौजूद रहे।

छीबों ग्राम प्रधान चयनित

चित्रकूटः महाराष्ट्र में होने वाले उन्मुखीकरण कार्यक्रम में पंचायती राज विभाग ने चित्रकूट जनपद से रामनगर ब्लाक के छीबों ग्राम प्रधान अनिल मिश्रा का चयन किया है। महाराष्ट्र में पांच दिवसीय एक्सप्रोजल विजिट कार्यक्रम होगा। जो 22 से 26 मार्च तक चलेगा। यह 25 सदस्यीय दल महाराष्ट्र राज्य की उत्कृष्ट पंचायतों में भ्रमण करेगा।

किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट ब्यूरोः भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जिलाध्यक्ष राम सिंह राही के नेतृत्व में एक दिवसीय प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी मऊ को सौंपा। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राम सिंह राही ने बताया कि राष्ट्रीय आवाहन पर 13 महीने से धरनारत किसानों पर बुलडोजर चलाकर तम्बूओ को उखाड़ने एवं किसान नेताओं को गिरफ्तार करने के विरोध मे आज देश भर मे आंदोलन कर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया है।

डीजीसी श्यामसुंदर मिश्रा को अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी के लिए मिला प्रशस्ति पत्र

चित्रकूट ब्यूरोः न्यायालयों में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी करते हुए अपराधियों को दण्डित कराने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्र को सम्मानित किया है। शुक्रवार को अभियोजन वीर सम्मान समारोह में उन्हें प्रशस्ति पत्र और शील्ड प्रदान की गई।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि जनपद चित्रकूट में डीजीसी के पद पर कार्य करते हुए वर्ष 2024 के दौरान न्यायालय में विचारण में चल रहे हत्या, बलात्कार, दहेज हत्या, डकैती, लूट, चोरी, गैंगेस्टर, पाक्सो एक्ट आदि मुकदमों में आपरेशन कन्विक्शन के तहत जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा द्वारा अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी की गई। जिसमें 13 मुकदमों में 24 आरोपियों को आजीवन कारावास, चार मुकदमों में आठ आरोपियों को 10 वर्ष, चार मुकदमों में 11 आरोपियों को सात वर्ष एवं चार मुकदमों में आठ आरोपियों को सात वर्ष से कम कारावास की सजा हुई। साथ ही कुल 25 मुकदमों में 51 आरोपियों को अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। यह अभूतपूर्व सफलता डीजीसी श्यामसुंदर मिश्रा की उच्च कोटि की कार्यशैली, कार्य के प्रति लगन, सूझबूझ एवं विवेकपूर्ण ढ़ंग से काम करने के कारण मिली है। इस उत्कृष्ट श्रेणी के कार्य के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया जा रहा है।

गरीब और कमजोर वर्गो के हितों के लिए बसपा करती है संघर्ष- शिवबाबू

चित्रकूट ब्यूरोः बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर दिया गया।

जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष अधिवक्ता शिवबाबू वर्मा ने कहा कि वर्ष 2007 में उत्तर प्रदेश में बनी बसपा की सरकार ने प्रदेश में समाज के कमजोर वर्गों को अपने पैरों पर खड़ा किया था। समाज के संतों और महापुरूषों को विभिन्न स्तर पर सम्मान दिया गया, किंतु यह सब जातिवादी पार्टियों को पंसद नहीं आ रहा है। जिसके चलते अब इन वर्गों में से स्वार्थी किस्म के लोगों को आगे करके उनके जरिए अनकों छोटे संगठन और पार्टियां बनवाकर बसपा की ताकत को कमजोर करने में लगे है। पार्टी कार्यकताओं को ऐसे लोगों से सचेत रहना चाहिए। पार्टी के मिशनरी व निष्ठावान कार्यकर्ता नई पीढ़ी के युवाओं को बसपा मुखिया के त्याग के बारे में बताएं। जिन्होंने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर और बसपा संस्थापक कांशीराम के बताए मार्ग पर चलते हुए अपने परिवार और रिश्तेदारों को भी संगठन के सामने महत्व नहीं दिया है। बसपा मुखिया मायावती केवल ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकताओं को ही आगे जिम्मेदारियां देतीं हैं।

इस मौके पर मुख्य मंडल प्रभारी बल्देव प्रसाद वर्मा, संतोष कुमार वर्मा, कपिल देव वर्मा, जिला प्रभारी मान सिंह कुशवाहा, रावेन्द्र कुमार वर्मा, कौशलेन्द्र कुमार वर्मा, फूलचंद्र खंगार, रामलखन निषाद, जुमना पाल, दिनेशचंद्र वर्मा, वीरन पासी, सोनपाल वर्मा, अरुण पाल, रामरहीस वर्मा, प्रखर पटेल, रोहित पटेल, जगदीश सिंह यादव, विनय कुमार पाल, रामसंवारे, इकराम वर्मा, राजकमल वर्मा, छत्रपाल वर्मा, शिववरन वर्मा, चैतूराम वर्मा, बृजमोहन वर्मा, कुलदीप पटेल, राजेश रैकवार, धानी निषाद, प्रिंस कुशवाहा, सुखराज प्रजापति, नत्थू नामदेव, फूलकुमार वर्मा, मेहरबान प्रताप, रामभजन वर्मा, अखिलेश कुमार वर्मा, रामऔतार वर्मा, अमरेन्द्र विक्रम विक्रांत यादव, अजय पटेल, शिवशंकर तिवारी, रामपाल, रामबहोरी, संतोष, विनोद, उदय यादव आदि मौजूद रहे।

गेहूं खरीद से सम्बन्धित तैयारियों की एडीएम ने की समीक्षा

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

चित्रकूट ब्यूरोः गेहूं खरीद से संबंधित तैयारियों की समीक्षा बैठक व कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को कलेटरेट सभागार में किया गया। जिसमें गेहूं क्रय केन्द्र प्रभारियों को गेहूं खरीद से सम्बन्धित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 40 क्रय केन्द्र खोले गये है, जिसमें खाद्य विभाग के सात, पीसीएफ के 29, मंडी समिति का एक एवं भाखानि के तीन क्रय केन्द्र स्थापित किये गये है। बताया कि गेहूं खरीद का कार्य 17 मार्च से प्रारम्भ हो चुका है, जो आगामी 15 जून तक चलेगा। क्रय केन्द्र प्रातः आठ से शाम आठ बजे तक खुले रहेंगे। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में कृषकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रू प्रति क्विंटल के आधार पर गेहूं का क्रय किया जायेगा। यह खरीद भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानक व गुण निर्विदिष्टियों के अनुसार की जाएगी। बताया कि क्रय केंद्रों के अतिरिक्त किसानों की सुविधा के लिए मोबाइल क्रय केंद्रों से भी गेहूं खरीद की जाएगी। किसी भी गांव में एक ट्रक के लोड के बराबर गेंहू होने पर किसानों के घर से गेंहू खरीद की जाएगी। इस बार एफपीओ, एफपीसी, पंजीकृत सहकारी समिति, मल्टी सेक्टोरल समिति को भी क्रय केंद्रों के रूप में स्थापित करने की सुविधा दी गई है। मंडी समिति में पंजीकृत आढ़तियों के माध्यम से मंडी समिति खरीद कर सकेगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी केन्द्र प्रभारियों को गेहूँ खरीदते समय साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय खाद्य निगम में गेहूँ सम्प्रदान करते समय समस्या नहीं आनी चाहिए। उपजिलाधिकारी से कहा कि कृषकों द्वारा बोये गये रकबे का सत्यापन खतौनी से तथा कृषक के नाम मिसमैच का सत्यापन आनलाइन पोर्टल पर करते हुये डिजिटल सिग्नेचर करें। कहा कि 100 कुंतल तक गेंहू खरीद को सत्यापन से मुक्त रखा गया है। पंजीकरण सत्यापन में लघु एवं सीमांत किसानों के पंजीकरण का सत्यापन लेखपाल करेंगे। कहा कि तीन हेक्टेयर तक तहसीलदार, पांच हेक्टेयर तक एसडीएम और उससे ऊपर की भूमि का सत्यापन अपर जिलाधिकारी के स्तर से किया जाएगा।

जिला खरीद अधिकारी ने क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद के लिए आवश्यक उपकरण जैसे इलेक्ट्रानिक कांटा, नमी मापक यंत्र, छलना, विनोइंग फैन, किसानों के लिये पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग आदि की व्यवस्था पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक केन्द्र पर गेहूँ का एक मानक नमूना भी प्रदर्शित करें। साथ ही वर्षा व प्राकृतिक आपदाओं से गेहूँ को बचाने के लिये तिरपाल, क्रेटस इत्यादि की व्यवस्था कर ली जाये, जिससे गेहूँ खराब न होने पाये। बताया कि गेहूं क्रय केन्द्र सभी दिन खुले रहेंगे। बताया कि गेहूं की बिक्री के लिए कृषक को खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ई-पाप (इलेक्ट्रानिक प्वाइन्ट आफ परचेज) मशीन के माध्यम से गेहूं खरीद की जायेगी। किसान के स्वयं उपस्थित न होने की दशा में पंजीकरण के समय प्रपत्र में दिये गये परिवार के सदस्य का बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण कराते हुये गेहूं क्रय किया जायेगा।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम ने सभी क्रय केन्द्रों पर अभिलेखों का रख रखाव व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। कहा कि विशिष्ट परिस्थितियों में कृषकों द्वारा लाया गया गेहूँ यदि मानक के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो अस्वीकृत किये जाने की प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल व रिजेक्शन रजिस्टर में की जायेगी।

इस मौके पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनाश कुमार झा, एलडीएम अनुराग शर्मा, मंडी सचिव, एआर कोआपरेटिव, जिला प्रबंधक पीसीएफ, एफसीआई के अधिकारी सहित समस्त क्षेत्रीय विपणन अधिकारी एवं समस्त गेंहू क्रय केंद्र प्रभारी मौजूद रहे।

तीन दिन से झुंझुनू कलक्ट्रेट कार्यालय के सामने भूख हड़ताल पर बैठे रोशनलाल मेघवाल व राजेश देवी सैनी का घटा वजन

जिला प्रशासन पर जनप्रतिनिधियों एवं भूमाफियाओं के दबाव में होने का लगाया आरोप

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं। जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर राजेश देवी सैनी व रोशन लाल मेघवाल निवासी टोडी गुढ़ागौड़जी 19 मार्च से भूख हड़ताल पर बैठे हुए है जिनका स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। रोशन लाल मेघवाल ने बताया कि वह अपनी पुस्तैनी जमीन में एक मोटर गैराज बनाकर गाड़ियों की रिपेयरिंग का कार्य करता है। जिसे कुछ दबंग भूमाफिया लोगों ने पांच मार्च को शाम के समय कैंपर गाड़ियों में आकर उनके मोटर गैराज और वहां खड़ी तीन-चार गाड़ियों को जेसीबी मशीन से तोड़ दिया गया जिससे उनके सामने खाने के लाले पड़े हुए है। वहीं राजेश देवी सैनी ने बताया कि पच्चीस वर्ष पूर्व खरीदी

गई जमीन पर बने उनके मकानों को भी उन्हीं भूमाफियाओं ने जेसीबी व लोडर से तोड़ दिए गए जिसके चलते उनका परिवार बेघर हो चुका है। उन्हें न्याय दिलाने के प्रति जिला प्रशासन सकारात्मक दिखता प्रतीत नहीं हो रहा है। क्योंकि पिछले तीन दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे लोगों ने बताया कि जिला प्रशासन उनकी किसी प्रकार की मदद न करते हुए राजनीतिक दबाव में आकर भूमाफियाओं को बचाने में लगा हुआ दिखाई दे रहा है। कलेक्टर कार्यालय के बाहर समता सैनिक दल के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह खंडेलवाल,हरिराम जाट सीथल, एडवोकेट रामावतार जाटावत,श्यामलाल मेघवाल प्रदेश महासचिव समता सैनिक दल,विकास आल्हा जिला अध्यक्ष भीम आर्मी, एडवोकेट ओमप्रकाश सेवदा, गोकुल,महेश ,महेंद्र सिंह, हरिसिंह आलडिया, बंशीधर, महेश,सुभाष चंद्र,दिनेश, ममता गर्वा,माया देवी सैनी,संतोष,सुनीता, संजू देवी,तुलसी देवी,विजय कुमार,विकास मेघवाल,रविंद्र,संजय कुमार, रामसिंह सैनी,अनीता देवी,विजय कुमार सैनी,विद्या देवी,ममता गर्वा,माया देवी, संतोष,तुलसी देवी,संजू,राजेश,विद्या सहित दर्जनों महिलाओं-पुरुषों ने भूख हड़ताल में बैठकर पीड़ितों को अविलंब न्याय दिलाने की पुरजोर शब्दों में मांग करते हुए उन्होंने बताया कि अगर जिला प्रशासन निष्पक्ष न्याय नहीं करता है तो आंदोलन तेज किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

रेलमंत्री से खैरथल में मण्डोर एक्सप्रेस व डबल डेकर ट्रेनों के ठहराव की मांग

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल। खैरथल रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव न होने के कारण खैरथल के नागरिक परेशान हैं, शहर के संभ्रांत नागरिक व समाजसेवी आए दिन रेलमंत्री के नाम ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक को सौंपते रहे हैं , किन्तु कई प्रमुख रेलगाड़ी का स्टोपेज खैरथल में नहीं हो सका है। इसी क्रम में विप्र कल्याण समिति जिला खैरथल के पदाधिकारियों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। समिति के शहर अध्यक्ष अंकित शर्मा ने बताया की खैरथल राजस्थान की प्रसिद्ध अनाज मंडी है और नवसृजित जिला हैडक्वाटर है और

खैरथल रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कायाकल्प भी किया जा रहा है जिससे स्टेशन का स्वरूप ही बदल गया है। यहां से दूरस्थ स्थानों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए प्रमुख ट्रेनों का ठहराव खैरथल स्टेशन पर होना अभी बाकी है। विप्र कल्याण समिति ने इन दोनों ट्रेनों के ठहराव की मांग की है। इस दौरान जिलाध्यक्ष संदीप मिश्रा, शहर अध्यक्ष अंकित शर्मा, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष रामसिंह शर्मा, प्रेम कौशिक, गौरव कौशिक रसियावास वाले, अमित शर्मा आदि मौजूद रहे।

राजस्थान दिवस पर रसोई गैस सब्सिडी सहित कई योजनाओ का पैसा लाभार्थियों के खातें मे डाल सकती है भजनलाल सरकार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजाराः राजस्थान दिवस पर राजस्थान भजनलाल सरकार रसोई गैस सब्सिडी सहित अन्य योजनाओं का पैसा लाभार्थियों के खाते मे डालने जा रही है सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के अवसर पर लाभार्थियों को रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ डीबीटी

(डायरेक्बनिफिट ट्रांसफर) के माध से हस्तांतरित करने के निर्देश दिए हैं।बताया जा रहा है मुख्यमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न विभागों की परियोजनाओं एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को राहत देने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान दिवस के अवसर पर इस पहल से हजारों लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा।

जिला कलेक्टर ने किया तिजारा थाने एवं पंचायत समिति तिजारा का औचक निरीक्षण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, 21 मार्च। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने शुक्रवार को तिजारा की पंचायत समिति एवं थाने का का निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने साफ-सफाई, रिकॉर्ड्स की जांच और लंबित मामलों की स्थिति का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने पंचायत समिति के निरीक्षण के दौरान नरेगा श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए साथ ही निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण करने एवं स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत समिति में पड़े जीर्ण-शीर्ण भवनों का नियमानुसार निस्तारण कर सुनियोजित तरीकों से बनाने के लिए नियमानुसार नक्शा, तकमीना आदि बनाने के निर्देश दिए साथ ही उसमें पंचायत समिति की निजी आय बढ़ाने हेतु दुकानों का निर्माण आदि कार्य शामिल करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड एवं अन्य दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने पुलिस थाना तिजारा स्थित बंदी ग्रह, मालखाना सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों का निरीक्षण कर गत माह में दर्ज हुए मामलों की जानकारी ली। उन्होंने थाने में स्वीकृत कुल पद पर लगे हुए सभी पुलिसकर्मी की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने थाने में मुख्यतः दर्ज होने वाले प्रकरणों की अपराधिक प्रकृति की जानकारी ली।

उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रकरणों को निस्तारित कर संबंधित को सहायता राशि दिलाने के निर्देश दिए साथ ही थाने में नई बैरक के निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बाहर के लाइसेंस धारियों का जिला कार्यालय में पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने त्योहारों के चलते शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान तिजारा प्रधान जेपी यादव, उपखंड अधिकारी तिजारा संजीव वर्मा, डिप्टी एसपी तिजारा शिवराज, तहसीलदार कृष्ण यादव, थाना प्रभारी, जुडिशल शाखा इंचार्ज विशाल गुप्ता सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

गुढा नगर पालिका के विस्तार पर ग्रामीणों ने सरकार का जाताया आभार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं गुढ़ागौडजी। राजस्थान सरकार द्वारा गुढा गौड़जी नगर पालिका का विस्तार किया गया है जिसमें टोडी, दुड़ियां, बड़ की ढाणी कनिका की ढाणी, खेडड़ो की ढाणी आदि शामिल की गई है। गुढा गौड़जी नगरपालिका का विस्तार करने पर ग्रामीणों ने जन प्रतिनिधियों तथा सरकार का आभार प्रकट किया है। सामाजिक कार्यकर्ता जेपी महला, हरि सिंह ओला, प्रभु मेघवाल,कैलाश मीणा, शैतान बटार, बाबूलाल सैनी, मोहर सिंह, मुकेश शर्मा, प्रमोद खेदड़, रामकरण खेदड़, झंडूराम खेदड़ मनोहर खेदड़, कुलड़ा राम ओला, निवास सैनी , लालचंद रामजीलाल सहित आस पास की ढाणियों के सैकड़ों लोगों ने खुशी जताते हुए आभार प्रकट किया है। जल्द ही नगरपालिका में शामिल करने में सहयोग करने वाले सरकार के जन प्रतिनिधियों का बड़ की ढाणी कनिका की ढाणी बंड्या नाला पर समारोह आयोजित कर अभिनंदन किया जाएगा। लोगो ने कहा कि नगरपालिका में शामिल होने से अब इस इलाके की काया कल्प होगी तथा विकास की गति के पंख लगेंगे।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, विधेयकों पर पारदर्शिता की रखी मांग

जयपुर। जूली ने दावा किया कि सत्ताधारी दल के कई विधायक भी इस विधेयक के विरोध में थे, जिससे सरकार की मंशा पर संदेह होता है। उन्होंने मांग की कि जनहित से जुड़े विधेयकों में पारदर्शिता बरती जाए और बिना जनमत के कोई निर्णय न लिया जाए। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शुक्रवार को प्रेस से मुखातिब होते हुए सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अराफात कंपनी मामले में अब तक मजदूरों को उनका पैसा नहीं मिला है, जबकि इस विषय पर वे सुबह से अपनी बात रख रहे थे।

टीकाराम जूली ने रीको को लैंड यूज परिवर्तन का अधिकार देने वाले विधेयक पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो कई बड़े लोग कम कीमत में खरीदी गई जमीन पर प्लॉटिंग, मॉल और फ्लैट बनाकर महंगे दामों में बेचते। उन्होंने इसे जनता के हितों के खिलाफ बताते हुए कहा कि इस बिल को पहले जनमत के लिए भेजा जाना चाहिए था या फिर पूरी तरह से वापस ले लेना चाहिए।

जूली ने दावा किया कि इस बिल का सत्ता पक्ष के कई विधायकों ने भी विरोध किया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार की मंशा पर संदेह किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे प्रवर समिति को भेज दिया है, लेकिन यह जनता के हितों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त नहीं है।

बालोतरा में बदमाशों का आतंक, सिर पर पिस्तौल तानकर लूट का प्रयास, युवकों ने गाड़ी भगाकर बचाई जान

बालोतरा । बदमाशों ने पिस्तौल तानकर लूटपाट करने की कोशिश की, लेकिन पीड़ित राजूसिंह और उसके साथियों ने साहस दिखाते हुए गाड़ी भगा दी, जिससे वे बचने में सफल रहे। इस दौरान बदमाशों ने लोहे की सरियों से कार पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

राजस्थान के बालोतरा जिले में बदमाशों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। सिवाना थाना इलाके के मोकलसर गांव में बुधवार रात चार से पांच बदमाशों ने एक युवक की कार को जबरन रुकवाकर उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने युवक की कनपटी पर पिस्तौल तान दी और लूटपाट का प्रयास किया। पीड़ित ने विरोध किया तो बदमाशों ने लोहे की सरियों से गाड़ी पर हमला कर दिया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई।

बालोतरा जिले के सिवाना लुदराडा निवासी राजूसिंह पुत्र कालूसिंह ने 20 मार्च को सिवाना थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई। शिकायत के अनुसार, 19 मार्च की रात लगभग 9:20 बजे वह अपने चचेरे भाई जितेंद्र सिंह (पुत्र चुन्नीलाल) और कमलेश (पुत्र गेनजी) के साथ अपने गांव से मोकलसर सर्किल स्थित मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने गया था। वहां से दवाई लेने के बाद तीनों एक चाय की दुकान पर चाय पीने रुके और फिर वापस गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक एक स्विफ्ट कार उनकी गाड़ी के सामने आकर रुक गई, जिससे उनकी कार को भी रुकना पड़ा। उस कार से चार अनजान लोग बाहर निकले, जिनके हाथों में लोहे की सरिया और पिस्तौल थी।

पिस्तौल तानकर दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित राजू सिंह ने बताया कि जैसे ही उनकी कार रुकी, बदमाशों ने गाड़ी की खिड़कियों पर जोर-जोर से वार करना शुरू कर दिया। उनमें से एक बदमाश ने पिस्तौल निकालकर उसकी कनपटी पर तान दी और खिड़की का शीशा नीचे करने को कहा। जैसे ही उसने कांच नीचे किया, बदमाशों ने उसका कॉलर पकड़कर उसे बाहर खींचने की कोशिश की और उसकी सोने की चेन खींचने लगे। पीड़ित ने साहस दिखाते हुए अपने ड्राइवर जितेंद्र सिंह को इशारा किया कि वह गाड़ी भगाए। इस पर जितेंद्र ने तुरंत कार तेज कर दी, जिससे किसी तरह वे तीनों वहां से बचकर निकलने में सफल रहे। इस दौरान बदमाशों ने लोहे की सरियों से कार पर हमला किया, जिससे गाड़ी के शीशे और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचा।

ग्राम पंचायत झिरिण्डया में किया रात्रि चौपाल का आयोजनः मौके पर समस्या निस्तारण के दिए निर्देश

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, 21 मार्च। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में पंचायत समिति किशनगढ़बास की ग्राम पंचायत झिरिण्डया, पंचायत भवन में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्याएं जिला कलेक्टर के समक्ष रखी गई तथा समस्याओं का मौके पर निस्तारण हेतु संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। रात्रि चौपाल के दौरान कुल 20 परिवाद दर्ज किए गए।

इस दौरान पट्टे, अवैध अतिक्रमण हटाने बाबत, सड़क बनवाने, खाद्य सुरक्षा में नाम जुड़वाने, पानी, बिजली के संबंध में सहित कुल 22 प्रकरण रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए जिसमें प्रकरणों के समाधान हेतु मौके पर अधिकारीयों को निर्देश प्रदान किए।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने ग्राम वासियों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया साथ ही बताया कि पंचायतों में रात्रि चौपाल कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है कि प्रशासन पंचायत स्तर पर पहुंच कर आपकी समस्याओं को समाधान कर सके। आपकी अधिकांश समस्याओं का समाधान पंचायत स्तर पर हो जाए इस हेतु रात्रि चौपाल का आयोजन कर प्रशासन आपके घरों तक पहुंच रहा है ताकी आपको उपखंड या जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा।

जिला स्तरीय अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे वृद्ध जन पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सशक्त खैरथल तिजारा, लाडो योजना, स्वास्थ्य जीवन शैली नवाचार, तंबाकू फ्री कैंपियन, जल जीवन मिशन, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम विश्वकर्म योजना किया के बारे में विस्तार से आवेदन की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाएं जैसे तारबंदी योजना, फार्म पॉन्ड योजना, प्याज भंडारण सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपालजाट, उपखंड अधिकारी मनीष कुमार जाटव, नायब तहसीलदार, सरपंच व संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी व बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 455 युवाओं को मिला रोजगार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, 21 मार्च। युवाओं को शैक्षणिक एवं कौशल योग्यता के आधार पर निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने हेतु एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन कर सहज एवं सरल माध्यम / प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया। रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तिजारा में किया गया तथा इस दौरान कुल 455 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि जिला कलक्टर किशोर कुमार, प्रधान तिजारा जय प्रकाश यादव, पार्षद सुल्तान सिंह पालीवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया।

जिला कलेक्टर खैरथल-तिजारा किशोर कुमार में रोजगार मेले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी नियोक्तागण से स्टाल टू

स्टाल सम्पर्क कर नियुक्ति प्रक्रिया, वेतन, नियुक्ति संख्या की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की तथा रोजगार विभाग के अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। जिला कलेक्टर ने सम्पूर्ण मेला प्रक्रिया का फालों-अप कर इसमें स्वरोजगार, उद्यमिता एवं अन्तिम चयन पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार एवं प्रधान तिजारा जेपी यादव ने आशार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

इस शिविर में लगभग 1000 युवक युवतियों ने भाग लिया जिसमें प्रमुख रूप से आईटीआई, 10वी, 12वी, डिप्लोमा, बी टेक एवं स्नातक योग्यता धारक उपस्थित रहें। इस आयोजन में भिवाडी, नीमराणा, अलवर, बावल, खैरथल, टपूकडा, जयपुर की 24 कम्पनियों ने भाग लिया। रोजगार मेला में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त किया। अंत में सुश्री मिताक्षी गोयल एवं मनोज कुमार जांगिड़ द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी संजीव वर्मा, तहसीलदार तिजारा कृष्ण कुमार, हरीश नानकवाल सहायक निदेशक जिला रोजगार कार्यालय अलवर, बाबू लाल राजोरिया संस्थापन अधिकारी, जिला रोजगार कार्यालय अलवर, मिताक्षी गोयल सहायक निर्देशक राजकीय आईटीआई. तिजारा, मनोज कुमार जांगिड़ अधीक्षक राजकीय आई-टी-आई. किशनगढ़ ?बास, समाज कल्याण अधिकारी गजराज यादव उपस्थित रहे।

अलग-अलग स्थानों पर चोरियों का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

झिंझाना पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने वाले दो कबाडियों को भी किया गिरफ्तार, कांधला, कैराना, झिंझाना व ढिंढाली में की थी चोरी

चोरी का सामान, तमंचा, कारतूस भी बरामद, एसपी ने पुलिस लाइन में किया खुलासा

एनपीटी संवाददाता

शामली। झिंझाना पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों में ट्यूबवैलों पर हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से ट्यूबवैलों से चोरी किया गया सामान, तमंचा व कारतूस भी बरामद किया है। पकडे गए दो आरोपी कबाडी है जिन्होंने चोरी का सामान खरीदा था।

शुक्रवार को पुलिस लाइन में

आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी रामसेवक गौतम ने चोरियों का खुलासा करते हुए बताया कि कांधला क्षेत्र के गांव ताहरपुर भभीसा, सुन्ना, कैराना के गांव जगनपुर, गोगवान व झिंझाना के गांव टपराना के जंगल में अज्ञात चोरों द्वारा किसानों की ट्यूबवैलों को निशाना बनाते हुए केबिल, बैंड व गांव ढिंढाली में बंद पडी विद्युत लाइन से तार चोरी की घटनाएं हुई थी। चोरी की मामले के जल्द खुलासे के पुलिस को निर्देश दिए गए थे। शुक्रवार को झिंझाना पुलिस ने विभिन्न चोरियों के मामलों का खुलासा करते हुए चेकिंग के दौरान हौशंगपुर पुलिया से एक शातिर चोर अनवर पुत्र अव्वल निवासी गांव भूरा थाना कैराना को दबोच लिया। पूछताछ करने पर अनवर ने बताया कि वह पहले भी कैराना से कई बार मुकदमे में जेल जा चुका है, वह अपने लडके परवेज व जुल्फान उर्फ फाना पुत्र मतलूब निवासी माल्हीपुर थाना कांधला के साथ मिलकर ट्यूबवैलों से केबिल व डिलेवरी बैंड चोरी करता है। करीब दस दिन पूर्व उसने अपने बेटे परवेज व फाना के साथ मिलकर ताहरपुर भभीसा व सुन्ना के जंगल में 11-12 ट्यूबवैलों से केबिल, स्टार्टर चोरी किए थे। एक सप्ताह पूर्व कैराना के जगनपुर के जंगल में स्थित सात ट्यूबवैलों से तार व डिलेवरी बैंड चोरी किए। इसके बाद टपराना व गोगवान में ट्यूबवैलों से सामान चोरी किया। उन्होंने ढिंढाली के जंगल में बंद पडी विद्युत लाइन के तार भी चोरी किए। वे लोग चोरी के तार को जलाकर उसका कापर बेचते हैं और सभी सामानों को उन्होंने कबाडी फुरकान पुत्र मौहम्मद अली व सावेज पुत्र दिलशाद निवासीगण मौहल्ला शाह मुबारिक झिंझाना को बेच दिए। पुलिस ने दोनों कबाडियों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरों के कब्जे से एक तमंचा, दो कारतूस सहित चोरी किया गया सामान भी बरामद किया है। आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

लापता ई-रिक्शा चालक की हत्या, बहावडी मार्ग पर पडा मिला शव

कपडे से गला घोंटकर की गयी है हत्या, ई-रिक्शा व मोबाइल फोन भी गायब

एनपीटी संवाददाता

शामली। गुरुवार की शाम से

लापता ई-रिक्शा चालक का शव शुक्रवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में क्षेत्र के गांव बहावडी मार्ग पर पडा मिला। ई-रिक्शा चालक की गला घोंटकर हत्या की गयी है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी ने कोतवाली में अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच पडताल में जुट गयी है। शहर के मौहल्ला दयानंदनगर निवासी 55 वर्षीय संदीप कर्णवाल ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। गुरुवार की दोपहर संदीप अपनी ई-रिक्शा लेकर घर से निकला था लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसके मोबाइल फोन पर कॉल भी की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

मृतक की पत्नी ने अज्ञात के खिलाफ दी तहरीर, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा

परिजनों ने उसकी काफी तलाश की थी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया था। शुक्रवार की सुबह लापता संदीप कर्णवाल का शव क्षेत्र के गांव बहावडी में सडक किनारे पडा मिला। खेतों पर जाने वाले किसानों की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने परिजनों को मामले की जानकारी दी तो उनमें कोहराम मच गया। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। संदीप की कपडे से गला घोंटकर हत्या की गयी थी। पुलिस को मृतक की ई-रिक्शा व मोबाइल फोन भी गायब मिला जिससे आशंका जतायी जा रही है कि कहीं संदीप की ई-रिक्शा लूटने के प्रयास में तो हत्या नहीं की गयी है। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी ममता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ शहर कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच पडताल में जुट गयी है। दूसरी ओर संदीप की हत्या से परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल है।

ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

शामली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार चौहान द्वारा तहसील शामली स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा के दृष्टिगत त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा वेयरहाउस में व्यवस्था को देखा और संबंधित से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई।

वाल्मीकि समाज पर फायरिंग के आरोपित पर कार्रवाई की मांग

एनपीटी संवाददाता

शामली। शुक्रवार को भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देते हुए बताया कि सहारनपुर के कस्बा देवबंद में वाल्मीकि समाज का पुराना शमशान घाट की भूमि पर दबंगों व भूमाफियाओं ने कब्जा करने का प्रयास किया, इससे पूर्व भी उक्त दबंग भूमाफियाओं द्वारा वाल्मीकि समाज की शमशान की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया जाता रहा है, लगभग दो माह पूर्व फिर से भूमाफियाओं द्वारा भूमि पर कब्जे का प्रयास किया गया जिसका विरोध करने पर वाल्मीकि समाज के लोगों पर गोलियां चलाई गई लेकिन पुलिस ने पीडित वाल्मीकि समाज के लोगों के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर लिया। उन्होंने चेतावनी दी कि वाल्मीकि समाज का उत्पीडन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन में वाल्मीकि समाज के लोगों पर फायरिंग करने वाले आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, साथ ही वाल्मीकि समाज के जिन लोगों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया है, उसे भी तुरंत निरस्त किया जाए। यदि ऐसा न हुआ तो वाल्मीकि समाज आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगा। इस मौके पर भावाधस के राष्ट्रीय महामंत्री दिनेश गहलोत, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप टांक, घनश्याम पारचा, अनूप टांक, बादल गौतम, मनीष गहलोत, नितिन भंवर, नीरज चंदेल, अमित कुमार, जोनी गहलोत, सनम, राजेश धीमान, सागर, मनीष, सोनू तेजान, आशीष, शुभम, सुमित मौजूद रहे।

किसानों की गिरफ्तारी से भडकी भाकियू, कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

आरोप, किसानों को दबाने का प्रयास कर रही सरकार, मोर्चों को भी हटाया, भाकियू ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

एनपीटी संवाददाता

शामली। भारतीय किसान यूनियन ने पंजाब सरकार द्वारा शंभू व खनौरी बार्डर पर शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे किसानों को गिरफ्तार करने व बुजुर्ग किसानों व महिलाओं को जबरन रोकने पर कडा आक्रोश जताते हुए कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति से किसानों के हित में निर्णय लेने व उन्हें न्याय दिलाने की मांग की। इस मौके पर डीएम को ज्ञापन भी सौंपा गया। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष शांता प्रधान के नेतृत्व में सैंकडों की संख्या में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर पहुंचे तथा पंजाब सरकार द्वारा शंभू व खनौरी बार्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों को जबरन हटाने पर कडा आक्रोश जताते हुए प्रदर्शन किया। इस मौके पर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन डीएम अरविन्द कुमार चौहान को सौंपा गया। कार्यकर्ताओं ने कहा

कि देश का किसान अपनी फसलों के वाजिब दाम के साथ उसकी गारंटी कानून की मांग सहित कई मांगों को लेकर दिल्ली आंदोलन से ही संघर्ष कर रहा है। देश के दो बडे किसान मोर्चा सहित कुछ जत्थेबंदियां हरियाणा व पंजाब बार्डरों शंभू व खनौरी पर 13 माह से भी अधिक समय से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे। केन्द्र सरकार किसानों से सभी विषयों को लेकर वार्ता कर रही थी लेकिन बुधवार को जब किसान संगठन व सरकार के मध्य वार्ता समाप्त हुई तो उसके बाद वापस अपने मोर्चों पर लौट रहे किसान संगठनों के नेताओं को पंजाब सरकार द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों मोर्चों को भी जबरन हटा दिया गया है तथा कई बुजुर्ग किसानों व महिलाओं को भी जबरन रोक लिया गया। इस घटना से देशभर के किसानों में आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों का उत्पीडन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार किसानों को दबाने का प्रयास कर रही है, किसान अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं, सरकार को किसानों की कोई परवाह नही है। जिस किसान के सहारे देश चलता है, अगर सरकार उसी की अनदेखी करेगी तो वह सरकार कभी फलीभूत नहीं होगी। राष्ट्रपति से मामले का संज्ञान लेते हुए किसानों को न्याय दिलाने की मांग की। इस मौके पर पप्पू पंवार, विजेन्द्र, गुड्डू बनत, ब्रहमपाल, मैनपाल सिंह, बाबा संजीव, चरणसिंह, विजेन्द्र मलिक, गौतम पंवार, ताहिर, जयराज सिंह, गयूर हसन, इमरान, विदेश मलिक, आशीष चौधरी, सद्दाम, मेहरदीन, देशपाल सिंह सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षेप समाचार :

एसपी ने किया पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड का निरीक्षण

शामली। एसपी रामसेवक गौतम ने पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसपी ने पुलिस कर्मचारियों के टर्नआउट व ड्रिल का मुआयना व यूपी 112 शाखा के वाहनों की स्थिति की भी जानकारी ली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एसपी रामसेवक गौतम ने पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया। एसपी ने परेड में शामिल पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के टर्न आउट व ड्रिल का मुआयना भी किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस लाइन की परिवहन शाखा व यूपी 112 के वाहनों की स्थिति की भी जानकारी ली। इसके बाद एसपी ने क्वार्टर गार्ड पर सलामी ली तथा अर्दली रूम में रजिस्टरों की भी जांच की। इस मौके पर विभिन्न थानों व शाखाओं के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मुकद्दस माहे रमजान के तीसरे जुमा की नमाज की गई अदा

कैराना। मकद्दस माहे रमजान के तीसरे जुमा की नमाज देश मे अमन व शांति की विशेष दुआओं के साथ शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुई।

मुकद्दस माहे रमजान के तीसरे जुमा की नमाज देश में अमन व शांति की विशेष दुआओं के साथ शान्तिपूर्वक संपन्न हो गई। इस दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा।इस दौरान अकीदतमंदों के हजारों हाथ अमन व शांति की दुआओं के लिए उठे और विशेष प्रार्थना की गई। नमाज जुमा से पूर्व अकीदतमंदों को संबोधित करते हुए गाँव नगलाराई में स्थित जामा मस्जिद के इमाम मौलाना सलीम कासमी ने कहा कि मुकद्दस महे रमजान का तीसरा अशरा प्रारंभ होने वाला है,जबकि पहला अशरा रहमत व दूसरा मगफिरत का समाप्त हो चुका है। आखिरी अशरा जहन्नुम से निजात पाने का है अभी भी समय है कि हम अपनी गुनाहों से तौबा करके जहन्नुम से निजात पा सकते हैं । रहमतों व बरकतों का महीना अलविदा हो रहा है और हम अभी भी गफलत में सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिरी अशरा में एतकाफ शुरू हो जाता है,जिसका महत्व इस्लाम धर्म में बहुत अधिक है,इस दौरान एतकाफ करने वाले लोग अपने कामों को त्याग कर मस्जिदों में विश्राम करते हुए विशेष इबादत में मशगूल रहते हैं और उनका दुनियावी कार्यों से कोई संबन्ध नहीं रहता।

शीतला माता मंदिरों पर बासौड़ा पूजने उमड़े भक्त

एनपीटी संवाददाता

कांधला। नगर के माता शीतला मंदिर में बासौडा पूजन धूमधाम के साथ किया गया। इसके लिए शीतला माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर भक्तों की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ शीतला मां की पूजा कर सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। मंदिर स्थल पर मेले का आयोजन किया गया। मंदिर स्थल पर पूजा अर्चना करने को लेकर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। शुक्रवार को नगर के मौहल्ला शेखजादगान स्थित सिद्ध पीठ शीतला माता मंदिर में बसौड़ा पूजन व मेले का आयोजन किया गया। बसौड़ा पूजन के लिए नगर के प्रमुख शीतला माता मंदिर पर तड़के से ही महिलाओं की कतार लग गयी। एक दिन पूर्व तैयार किए गए मीठे चावल, कढ़ी, चने की दाल,

हलुवा, पूड़ी, पूए आदि को थाली में सजा सजाकर सुबह चार बजे से ही महिलाएं घरों से निकल पड़ीं। शीतला माता मंदिर के बाहर तो मेले जैसा नजारा रहा। यहां पर खेल-खिलौने बेचने वाले बड़ी संख्या में पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से सुबह से ही पुलिस बल मुस्तैद हो गया, ताकि मार्ग पर जाम के हालात उत्पन्न नही हो सके। शीतला माता मंदिर में महिलाओं की कतार लग गयी। माता शीतला के पूजन को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह दिखाई दिया। भक्तों ने लाइन में लगकर एक-एक कर माता के पूजन व दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने परिवार के सभी सदस्यों के उत्तम स्वास्थ और सुख-शांति की कामना के साथ विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने माता शीतला की जय घोष परिसर गुंजायमान कर दिया। देर शाम तक पूजा का सिलसिला चलता रहा।

पंजाब में कोल्हू पर काम करते समय गर्म कढ़ाही में गिरने से युवक की मौत

श्यामली श्यामला के प्रदीप की दर्दनाक हादसे में गई जान

एनपीटी संवाददाता

चौसाना, क्षेत्र के श्यामली श्यामला गांव के निवासी प्रदीप (30) पुत्र विक्रम की पंजाब में कोल्हू पर काम करते समय दर्दनाक मौत हो गई। हादसा गुरुवार को उस समय हुआ जब वह कोल्हू में काम कर रहा था और अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण रस से भरी गर्म कढ़ाही में गिर गया। साथी मजदूरों ने तुरंत उसे बाहर निकाला और गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। प्रदीप की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। गांव में मातम का माहौल बन गया और हर कोई इस हादसे को लेकर स्तब्ध रह गया। गुरुवार को प्रदीप रोज की तरह कोल्हू पर काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि काम के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह सीधे गर्म रस से भरी कढ़ाही में जा गिरा। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने उसे तुरंत बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह बुरी तरह झुलस चुका था। आनन-फानन में उसे पंजाब के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी रही। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन शुक्रवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। प्रदीप के निधन की खबर मिलते ही उसके परिजन और गांव के लोग गमगीन हो गए। गांव में मातम पसर गया और हर कोई इस दर्दनाक हादसे को लेकर दुखी दिखा। शुक्रवार देर शाम जब उसका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। प्रदीप का अंतिम संस्कार उसके पैतृक गांव श्यामली श्यामला में कर दिया गया।

मस्जिद अबी इब्ने काब की मौलाना उमर ने रखी संगे बुनियाद

नेशनल हाइवे पर स्थित भूरा अंडरपास के निर्माण की जाएगी मस्जिद

एनपीटी संवाददाता

कैराना। नेशनल हाईवे पर स्थित भरा अंडरपास के निकट मौलाना मोहम्मद उमर ने मस्जिद अबी इब्ने काब की संगे बुनियाद रखी। इस दौरान मुतवल्ली मास्टर ताहिर के साथ-साथ अन्य संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

शुक्रवार को नेशनल हाईवे पर स्थित भूरा अंडरपास के निकट प्रख्यात अलीम- ए- दिन मौलाना मोहम्मद उमर ने मस्जिद अबी इब्ने काब की संगे बुनियाद रखी।इस दौरान मौलना मोहम्मद उमर ने कहा की मस्जिदें अल्लाह का घर

हैं, इनकी देखरेख व साफ- सफाई की जिम्मेदारी हर मुसलमान पर फर्ज है।हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम मस्जिदों का एहतराम करते हुए साफ- सफाई के साथ-साथ पांच वक्त की नमाज पाबंदी के साथ अदा करें।उन्होंने आगे कहा कि आज मुसलमान अल्लाह के बताए रास्ते से दूर होकर परेशानियों में घिरा हुआ है। जबतक हम अल्लाह के बताये रास्ते पर नहीं चलेंगे तब तक कामयाबी नहीं मिल सकती। इस दौरान मस्जिद के मुतवळ्ली मास्टर ताहिर हसन, मास्टर कय्यूम बागबान के साथ-साथ बड़ी संख्या में संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

उज्जवल ने मुंबई में ओपर थ्रो चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड

एनपीटी संवाददाता

शामली। शहर के मौहल्ला काकानगर निवासी छात्र ने मुम्बई में आयोजित ओपर थ्रो नेशनल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता है। छात्र का शामली पहुंचने पर मौहल्लेवासियों व परिजनों द्वारा फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। काकानगर निवासी राजीव कुमार के पुत्र उज्जवल चौधरी ने मुम्बई में आयोजित ओपर थ्रो नेशनल चौंपियनशिप में जनपद शामली की ओर से भाग लिया। उज्जवल ने बताया कि गत 19 मार्च को पहले राउंड में ही उसका चौंपियनशिप के लिए चयन हो गया था और 20 मार्च को आयोजित डिस्कस थ्रो में उसने 59.35 मीटर लंबी थ्रो फेंककर गोल्ड मेडल जीता है। उक्त चौंपियनशिप में पूरे देश से करीब 50 खिलाडी भाग रहे थे।

आवश्यकता है

दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना चौसाना बिडौली गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें

आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
9082190000,9997173786

न्यायालय ने तीन मामलों में तीन आरोपियो को दोषी ठहराया

एनपीटी संवाददाता

कैराना। न्यायालय ने तीन अलग अलग मामलों में तीन आरोपियो को सजा सुनाई। वहीं तीन हजार पांच सौ रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। वर्ष 2014 में अनमेष पुत्र मंगल निवासी ग्राम ककराला थाना खतौली के खिलाफ थाना आदर्श मंडी में शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायालय ने जेल में बितायी गयी अवधि के कारावास की सजा सुनाई। वर्ष 2010 में कुबेर पुत्र ओमपाल निवासी मौहल्ला धीमानपुरा के खिलाफ थाना झिंझाना में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायालय ने न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा सुनाई। वर्ष 2021 में इन्द्रपाल पुत्र चोहल सिंह निवासी ग्राम लतीफगढ़ के खिलाफ थाना थानाभवन में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायालय ने न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा सुनाई। वही निर्धारित समय पर अर्थदंड की राशि अदा न करने पर अतिरिक्त कारावास की सजा प्रावधान किया गया है।

टीचर पर छात्र से मारपीट करने का आरोप

शरीर पर चोट के निशान, परिजनों ने लगाया आरोप, पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

एनपीटी संवाददाता

कांधला। एक प्राइवेट स्कूल की टीचर पर छठी कक्षा के छात्र पर कथित रूप से पिटाई करने का आरोप लगा है। टीचर की पिटाई से छात्र के शरीर पर चोट के निशान है। परिजनों का आरोप की शिकायत के बाद भी स्थानीय पुलिस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही। जिससे पीड़ित परिजनों में गहरा रोष बना हुआ है।

मौहल्ला रायजादगान निवासी मांगेराम सैनी ने बीते गुरुवार को थाने जाकर तहरीर देते हुए बताया कि उसका 13 वर्षीय बेटा रेलवे रोड स्थित एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा 6 में पढता है। गुरुवार को छात्र अपने घर से विद्यालय में परीक्षा देने के लिए गया था। आरोप है कि स्कूल में नियुक्त

शिक्षक अर्जुन ने छात्र पर किसी बात को लेकर आपा खोते हुए डंडे से जमकर पिटाई करते हुए घायल कर दिया। छात्र को मामले की जानकारी परिजनों को देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। घायल छात्र शरीर पर चोट के निशान लेकर घर पहुंचा। जिसे देखकर परिजनों में हडकंप मच गया। घटना के संबंध में छात्र से जानकारी ली। परिजनों का आरोपी है कि पूर्व में आरोपी शिक्षक छात्र के साथ मारपीट कर चुका है। चेतावनी देने के बाद भी शिक्षक अपनी हरकतो से बाज नहीं आया। परिजन घायल छात्र को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां पर उन्होंने घायल का उपचार कराने के बाद घटना के संबंध में शिक्षक के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप की घटना को दो दिन बीत चुके हैं लेकिन पुलिस द्वारा आरोपी शिक्षक के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। घटना के संबंध में पीड़ित पिता ने एसपी से मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

प्रॉपर्टी डीलर पर दीवार तोड़कर रास्ता खोलने का आरोप, एसडीएम से की शिकायत

एनपीटी संवाददाता कैराना। एसडीएम को प्रोपर्टी डीलर पर दीवार तोड़कर जबरदस्ती रास्ता खोलने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की गई। नगर के अफगानान निवासी शफीक, कय्यूम पुत्र हनीफ, इरफान पुत्र अल्लारक्खा, इस्तखार, इसरार ने एसडीएम स्वप्लिन कुमार यादव को शिकायती पत्र सौंप कर बताया कि कैराना बाहर हदूद हलका नंबर तीन के खसरा नंबर 1566 में कृषि भूमि स्वामी वकार हुसैन पुत्र कैसर हुसैन मौहल्ला अन्सारियान आवासीय प्लाट खरीदे थे। प्लाटो में आने जाने का रास्ता चांद कालौनी में भूमि स्वामी ने दे रखा है। प्लाट विक्रय करते समय कालौनी का अन्य कालौनी में जाने का रास्ता बन्द कर दिया था। जिससे हमारी कालौनी में माहौल खराब न हो और भूमि स्वामी ने रास्ता बन्द कर-के दीवार खड़ी करदी थी। आरोप हैं कि कालौनी के दूसरे खेत खसरा नंबर 1565 में प्रोपर्टी डीलर इनाम काला निवासी मौहल्ला दरबारखुर्द तितरवाडा रोड, मुनव्वर व जुनैद निवासी अफगानान फिलहाल चांद कालौनी में प्लाटिंग कर रहे है। कालौनी में करोडो रुपए कमाने की गरज से हमारी कालौनी में जबरदस्ती दीवार तौढकर रास्ता खोलने की फिराक में है। खसरा नंबर 1565 की भूमि का रास्ता दूसरी ओर मैन सडक की ओर से है। विपक्षीगण को रास्ता खोलने से मना किया तो वह झगडा करने के लिए धमकियां दे रहे है। एसडीएम ने कार्रवाई का आश्वाशन दिया।

श्री शिव दुर्गा मंदिर को हरित टेंपल बनाने की शुरूआत

एनपीटी संवाददाता शामली। शहर के शिवगंज मंडी स्थित श्री शिव दुर्गा मंदिर को हरित टैंपल बनाने की शुरूआत की गयी है। शुक्रवार को नगर पालिका चेयरमैन ने मंदिर में होम कम्पोस्टर लगाकर खाद बनाने की जानकारी दी। उन्होंने शहरवासियों से भी आहवान किया कि वे पालीथीन का प्रयोग छोडकर कपडे के थैलों का प्रयोग करें। शुक्रवार को मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल ने कहा कि वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए सभी प्रकार के वनों और वनों के बाहर के पेड़ों के महत्व के बारे में जागरूकता बढाना है। शहर के श्री शिव दुर्गा मंदिर में तुलसी के पौधे लगाकर हरित टेंपल बनाने की शुरूआत की गयी है।

सरकारी अस्पतालों में होगी 10 रुपये में दस तरह की जांच की सुविधा, 6500 करोड़ की

लागत से किया जायेगा रिम्स का पुनर्निर्माण- डॉ इरफान

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड विधानसभा के बजट सत्र 2025--26 में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए करीब 74 अरब 70 करोड़ 50 लाख 86 हजार रुपये की अनुदान मांग को स्वीकृति दी गई है। हेमन्त सरकार 2.0 के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने विपक्ष पर चुटकी लेते हुए सरकार की आगामी योजनाओं को सदन में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक जैसे- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक सर्जरी को अपनाया जायेगा, जिसकी शुरूआत रांची के रिम्स (राजेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) से होगी। साथ ही राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में 10 रुपये में 10 प्रमुख जांच की सुविधा दी जायेगी, जिनमें सिकल सेल अनीमिया, डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, सीबीसी, क्रेटिनीन, ब्लड शुगर, चिकनगुनिया, रूटीन यूरीन और कोविड- 19 की जांच शामिल है। इसके अलावे, 6500 करोड़ रुपये की लागत से रिम्स का पुनर्निर्माण किया जायेगा। वर्तमान में 2200 बेड की क्षमता को बढ़ाकर 3500 बेड किया जायेगा। साथ ही, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के लिए 750 बेड का नया भवन और 5000 मरीजों की क्षमता वाला ओपीडी भवन बनाया जायेगा, जिसमें सभी तरह की जांच एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। राज्य के पांचों मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई गई है। इनमें कॉर्डियोलॉजी,

नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी और ऑन्कोलॉजी जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। दुमका, पलामू और हजारीबाग में 500 बेड के नये अस्पताल जल्द चालू किए जायेंगे। धनबाद मेडिकल कॉलेज की क्षमता 500 से बढ़ाकर 1000 बेड की जायेगी। एमजीएम जमशेदपुर में एमबीबीएस की सीटें 100 से बढ़ाकर 150 और पीजी सीटें 45 से बढ़ाकर 51 की जायेंगी। रांची के कांके में ह्यमेडिको सिटीह्व विकसित की जायेगी, जहां मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इस सिटी में 10 सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और एक हेलीपैड भी होगा। इसके अलावे, राष्ट्रीय राजमार्गों के पास 48 ट्रामा सेन्टर बनाए जायेंगे, जिससे सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को त्वरित इलाज मिल सके। झारखण्ड सरकार ट्राइबल इलाकों में 25 हेल्थ कॉटेज स्थापित करेगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सके।

अगले दो वर्षों में 1258 नये स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनाये जायेंगे। दुमका, चाईबासा, हजारीबाग और पलामू में नये नर्सिंग कॉलेज खोले जायेंगे। इसके अलावे 42000 सहिया बहनों को टैबलेट प्रदान किया जायेगा, जिसमें डिजिटल मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। झारखण्ड में डायल 108 की तर्ज पर दुमका में एक नया कॉल सेन्टर स्थापित किया जायेगा, जिससे 300 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस जोड़ी जायेंगी। इनमें 300 बाइक एंबुलेंस भी शामिल होंगी, जो दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा प्रदान करेंगी। एंबुलेंस सेवा को अपग्रेड कर शहरी क्षेत्रों में इसका रिस्पांस टाइम 25 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट करने का लक्ष्य रखा गया है। झारखण्ड सरकार सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को निःशुल्क दवा देने की योजना लागू करेगी।

साथ ही, सभी जिला अस्पतालों में मॉड्यूलर ओटी और सदर अस्पतालों में आईसीयू की सुविधा प्रदान की जायेगी।

वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर की अस्वस्थता हेतु मंत्री सुदिव्य कुमार को अतिरिक्त कार्यभार

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान वित्त विभाग, वाणिज्य-कर विभाग, योजना एवं विकास विभाग और संसदीय कार्य विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर अस्वस्थ होने के कारण बैठक में अनुपस्थित रहने आशंका है। इस स्थिति में इन विभागों की जिम्मेदारी मंत्री सुदिव्य कुमार को दिया गया है। गुरुवार को ही मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग ने इस सम्बन्ध में एक अधिसूचना जारी की है। सुदिव्य कुमार को कार्यभार राधाकृष्ण किशोर की अनुपस्थिति में सुदिव्य कुमार ने इन महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों का दायित्व ग्रहण किया है। यह बदलाव विधानसभा में वित्तीय मामलों की निगरानी के लिए जरूरी था, क्योंकि बजट सत्र में वित्तीय प्रस्तावों की चर्चा जारी है। इस बदलाव से यह साफ हो गया है कि सुदिव्य कुमार पर

राज्य के प्रमुख विभागों का प्रबंधन का अतिरिक्त दबाव होगा। झारखण्ड मंत्रिपरिषद की बैठक 25 मार्च को झारखण्ड मंत्रिपरिषद की अगली बैठक 25 मार्च को निर्धारित की गई है। यह बैठक रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में होगी, जहां कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की जायेगी। मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग ने बैठक की तिथि की घोषणा करते हुए कहा कि यह बैठक सरकार के लिए कई अहम निर्णयों का मार्ग प्रशस्त करेगी। कैबिनेट के प्रस्तावों पर होगी चर्चा सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिपरिषद की इस बैठक में कई बड़े प्रस्तावों पर कैबिनेट मुहर लगा सकते हैं, जो राज्य के विकास और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े हो सकते हैं।

राज्य सरकार की तरफ से इन प्रस्तावों का इंतजार किया जा रहा है, जिनसे राज्य में आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा मिल सके। माना जा रहा है कि झारखण्ड के हेमन्त सरकार 2. 0 की कैबिनेट बैठक राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभायेगी। इस बैठक के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि राज्य के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे, जो राज्य की सशक्त प्रशासनिक संरचना को और मजबूत करेंगे।

पूर्व विधायक सीता सोरेन पर धनबाद में हुए हमले पर आया यू-टर्न

दीवाशीष घोष की बहन रीना घोष ने रांची कोर्ट में की

एनपीटी ब्यूरो

रांची। झामुमो के पूर्व सह-भाजपा नेत्री विधायक सीता सोरेन पर धनबाद में कुछ दिन पहले हुए हमले में अचानक यू टर्न आ गया है। रांची कोर्ट में पूर्व विधायक सीता सोरेन सहित पांच लोगों के खिलाफ शिकायत हुई है, इस मामले में सुनवाई के लिए कोर्ट ने 28 अप्रैल की तारीख तय की है। कोर्ट में शिकायत रीना घोषण ने की है, जो सीता सोरेन पर कथित तौर पर हमला करने वाले देवाशीष घोष की बहन है। आगामी 28 अप्रैल को शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया जायेगा। यह भी आरोप लगाया गया है कि हथियार के बल पर अपने बैंक खाते में 3 लाख रुपये जमा करवा लिये हैं। रांची मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में

पूर्व विधायक सीता सोरेन के अलावे उनके सुरक्षाकर्मी अर्जुन कुशवाहा, विवेक सिंह, विवेक सिंह की बहन और रिंकू शाहदेव के खिलाफ शिकायत की गयी है। रीना घोष ने अपनी शिकायत में कहा है कि सीता सोरेन के साथ देवाशीष घोष निजी सचिव के रुप से काफी सालों से काम कर रहा था। जामताड़ा चुनाव में वो हार गयी, जिसके बाद सीता सोरेन ने देवाशीष घोष पर आरोप लगाना शुरू कर दिया था कि चुनाव में बहुत खर्च कर दिये हो। वो पैसा तुमको वापस करना होगा। पैसा देने में असमर्थता जताने पर सीता सोरेन ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर देवाशीष का पहले अपहरण किया और उसे धनबाद लाया गया, ठसरायढेला स्थित होटल में हथियार के बल पर उसकी गाड़ी का चाबी, जमीन के दस्तावेज और एटीएम छीन लिया और बैंक से तीन लाख रुपये ट्रांसफर करा लिये। यही नहीं गाड़ी ट्रांसफर के कागज पर हस्ताक्षर करा लिये। फर्जी पिस्तौल रखकर देवाशीष की गिरफ्तारी करवा दी। रीना ने रांची के डीटीओ आफिस, जमीन रजिस्ट्री और गाड़ी के ट्रांसफर पेपर, चेक पर रोक लगाने का आवेदन दिया है।

17 जिलों के जिला परिषद अध्यक्ष केरल पंचायती राज मॉडल की फंड, फंक्शन और फंक्शनरीज तकनीकी की ली जानकारी, सकुशल वापस लौटे झारखण्ड

झारखण्ड के पंचायती राज व्यवस्था का कमान संभाल रहे जिला परिषद अध्यक्ष ने तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के तहत केरल पंचायती राज मॉडल की फंड, फंक्शन और फंक्शनरीज तकनीकी की जानकारी हासिल करने के पश्चात सकुशल झारखण्ड वापस लौट आये हैं। केरल में तीन दिवसीय आवासीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए झारखण्ड के 17 जिलों के जिला परिषद अध्यक्ष केरल गये थे। पाकुड़ से जिला परिषद अध्यक्ष जुली खिष्टमणी हेम्ब्रम भी भ्रमण टीम में शामिल रहे। उन्होंने जानकारी दी कि पंचायती राज व्यवस्था का केरल मॉडल है। केरल में पंचायती राज व्यवस्था काफी बेहतर है और वहां के जनप्रतिनिधियों को योजनाओं का

क्रियान्वयन से लेकर योजना निर्माण और फंड का इस्तेमाल में तकनीकी और भौतिक रूप से कोई कठिनाई नही होती है। जुली खिष्टमणी हेम्ब्रम ने इससे पहले केरल इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन (ङक्छअ) के जरिये 3 दिनों तक शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना होने के दौरान केरल पंचायती राज की तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने की बात कही थी। उन्होंने साझा करते हुए कहा कि तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सफल रहा। साथ ही झारखण्ड के पंचायती राज व्यवस्था के जिले में कमान संभाल रहे जिला परिषद अध्यक्ष तकनीकी रूप से केरल मॉडल का लाभ अपने इलाके में भी पहुंचाने में अहम भूमिका निभायेंगी।

उन्होंने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण में झारखण्ड के 17 जिला परिषद अध्यक्ष में रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदग्गा, बोकारो, रामगढ़, धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, दक्षिण सिंघभूम, सरायकेला खरसावां, लातेहार, गढ़वा, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़ के जिला परिषद अध्यक्ष शामिल रहे। कहा केरल की पंचायती राज व्यवस्था की अत्याधुनिक तकनीक सुविधाओं से सुव्यवस्थित अवयव को झारखण्ड पंचायती राज व्यवस्था में भी होना चाहिए, जिससे लक्ष्य के सापेक्ष झारखण्ड पंचायती राज व्यवस्था कायम होने के साथ-साथ झारखण्ड के ग्रामीण इलाकों के लोग लाभान्वित हो सके।

-महेशपुर विधायक मद योजना से सम्बन्धित किया गया समीक्षा बैठक

बीते शुक्रवार को जिला पंचायत राज पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में 06-महेशपुर (अ०ज०जा०) विधायक मद योजना से सम्बन्धित एक समीक्षा बैठक आहूत किया गया। बैठक में 06-महेशपुर (अ०ज०जा०) विधायक निधि योजना से सम्बन्धित अभिकर्ता, लिपिक, कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता को महेशपुर विधायक निधि योजनान्तर्गत डी०सी० विपत्र एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र से संबंधित चर्चा की गई और निर्देश दिया गया कि महेशपुर विधायक निधि योजना से संबंधित जितने भी कार्य किए जा रहे हैं उसे ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मौके पर अभिकर्ता, लिपिक, कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित थे।

रघुनाथ महतो के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता: सुदेश कुमार महतो

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में शहीद रघुनाथ महतो को माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात कहा कि झारखण्ड के वीर सपूत एवं महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद रघुनाथ महतो ने मानभूम से लेकर धालभूम नीमडीह, सिल्ली और जंगलमहल के इलाकों में अंग्रेजों के विरूद्ध लड़ाई का नेतृत्व किया था। जब झारखण्ड के नायकों की अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की चर्चा होती है, तो इस सूची में 1769 का शहीद रघुनाथ महतो के नेतृत्व में चुआड़ विद्रोह का नाम सबसे पहले आता है। 'अपना गांव-अपना राज, दूर भगाओ विदेशी राज' नारे का उद्घोष करने वाले झारखण्ड की माटी के वीर सपूत शहीद रघुनाथ महतो के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। ज्ञात हो कि 1765 में बंगाल, बिहार एवं ओड़िशा की दीवानी हासिल करते ही अंग्रेज मनमाने ढंग से कृषि राजस्व, जबरन कर वसूलने तथा मालगुजारी बढ़ाने लगे। शोषण एवं जुल्म के खिलाफ शहीद रघुनाथ महतो ने किसानों, ग्रामीणों एवं आम जनमानस को संगठित किया तथा विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष का नया अध्याय लिखा। सुदेश महतो ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत के काले कानूनों के खिलाफ जनमानस को संगठित कर चुआड़ विद्रोह का शंखनाद करनेवाले प्रथम स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद शहीद रघुनाथ महतो को इतिहास के पन्नों में संक्षिप्त परिचय दिया गया। हम इस परिचय को बड़ा करने हेतु प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में निरन्तर प्रयास जारी है। मौके पर युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि अलग झारखण्ड राज्य मिलना ही पर्याप्त नहीं, अपने लोगों के हितों के लिए हमें लड़ते रहना होगा। झारखण्डियों को आगे ले जाना ही हमारी पहली और आखिरी कोशिश होनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखण्ड आन्दोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, संजय मेहता, हरीश कुमार, ओम वर्मा, चेतन कुमार, अजीत कुमार, अमित यादव आदि ने भी शहीद रघुनाथ महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पाकुड़ समेत आसपास हुआ बारिश, गर्मी से राहत, किसानों के चेहरे पर

मायूसी का आलम, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), मार्च में ही जून जैसे गर्मी का एहसास हालही में जगजाहिर रहा। मगर मौसम ने करवट बदलते ही झारखण्ड में बूंदाबांदी बारिश और हवा भी तेज रही। कहीं-कहीं भारी बारिश भी हुई। लेकिन पाकुड़ समेत आसपास के इलाकों में बूंदाबांदी/ रिमझिम/ टिप-टिप बारिश से मार्च में ही जून जैसे गर्मी की एहसास से राहत लोगों को तो मिली, लेकिन मौसम की कड़वाहट बदलते ही हुए इस बारिश से किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। परेशानी का आलम है कि पके हुए रवि फसलों में बारिश का होना, किसानों के लिए चिंतन का आलम है। रवि फसलों में दलहन, प्याज लहसुन अन्य पके हुए फसलों के लिए यह बारिश हानिकारक साबित हो सकता है। गनीमत रही कि

भारी बारिश नहीं हुई, होने से रवि फसलों के लिए काफी नुकसान देह साबित होता। बाहरेहाल जो भी हो, मौसम की कड़वाहट बदलते ही तापमान में गिरावट तो आई, ठंड हवाएं भी चली, लोगों को राहत भी मिला, लेकिन किसानों के चेहरे पर मायूसी जगजाहिर रहा । समाचार समाचार लिखे जाने तक आसमान में बादल छाया हुआ था। उधर मौसम विभाग ने तो मार्च में ही जून जैसे गर्मी की एहसास की इश्यू के ध्यानार्थ कई ज़िले में येलो अलर्ट जारी किया था। साथ ही मौसम में तब्दीलियां आने की भी सम्भावना जताई थी। जो गुरुवार को कम, लेकिन शुक्रवार को स्पष्ट नजर आया, जो आसमान में बादल छाये रहने के साथ बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने अब से कुछ देर पहले राजधानी रांची समेत सूबे के 16 जिलों में वज्रपात के साथ बारिश होने की प्रबल सम्भावना जतायी है।

झारखण्ड के कई जिलों में मौसम का रूख पूर्ण रूप से बदला हुआ है.। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों तक रांची समेत कई जिलों में लगातार आंधी, बारिश का प्रकोप लगातार जारी रहेगा। वही आज बोकारो, चाईबासा, देवघर, दुमका, गुमला, रांची समेत कई जिलों में मौसम विभाग ने तूफान, बिजली और तेज सतही हवाओं का अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने झारखंड के मौसम में आये बदलाव को देखते हुए पूरे राज्य में ऑरेंज अलर्ट के साथ एडवाइजरी जारी की है।

फुटबॉल प्रतियोगिता में पहुंचे झामुमो नेत्री उपासना मरांडी, खिलाड़ियों का बढ़ाया होंसला, एफसी. टंगीदहा की टीम ने मारी बाजी

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखण्ड क्षेत्रान्तर्गत पंचायत बाबुदहा के ग्राम सिंगना के न्यू स्टार जागृति क्लब की ओर से शुक्रवार को तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल खेल का आयोजन किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता में करीब 16 टीमों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता के फाइनल खेल में बतौर मुख्यातिथि महेशपुर विधायक के सुपुत्री सह-झामुमो युवा नेत्री उपासना मरांडी शामिल ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। क्षेत्र के उभरता हुआ चेहरा झामुमो युवा नेत्री उपासना मरांडी के पहुंचते ही आयोजकों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी रिति-रिवाज से उनकी जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। फाइनल खेल का शुभारम्भ मुख्यातिथि ने फुटबॉल को आसमान में उछालकर किया। वही फुटबॉल का फाइनल खेल एफ.सी. टंगीदहा बनाम एफ.सी टुडू ब्रदर के बीच हुआ, जिसमें एफ.सी.टंगीदहा की टीम ने एफ.सी.टुडू ब्रदर की टीम को पेनाल्टी से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को बतौर मुख्यातिथि झामुमो युवा नेत्री उपासना मरांडी ने प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,20,000 (एक लाख बीस हजार) रूपए नगद एवं उपविजेता टीम को शिवानी टुडू ने 1,00000(एक लाख) रूपए नगद देकर पुरस्कृत किया । वही मुख्यातिथि ने सभी खिलाड़ियों को उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी । साथ ही आगे और भी बेहतर प्रदर्शन करने की बातें कही। वही मुख्यातिथि ने सभी खेल प्रेमियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अच्छे खिलाड़ी अपने खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। वह टीम वर्क, दृढ़ संकल्प और खेल कौशल जैसे महत्वपूर्ण गुणों में माहिर होते हैं। वे मैदान के अन्दर और बाहर हमेशा लोगों को प्रेरित करते हैं।

एक अच्छा खिलाड़ी कड़ा अभ्यास करता है, गलतियों से सीखता है और हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है। खेल शरीर के लिए बेहतर के साथ-साथ हमें अनुशासन एवं प्रेम की भावना सीखाते हैं। हमें क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना चाहिए। गांव- घरों से निकलकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक के खेल में हमारे खिलाड़ी अपना योगदान दे सकते हैं। मौके पर बाबुधन मुर्मू उर्फ डॉन , अरूण मरांडी, मुख्तार शेख,मरकुश पप्पू मरांडी, मनोज यादव, शिवधन हेम्ब्रम , क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र मुर्मू , सचिव प्रभू सोरेन सहित क्लब के सभी सदस्य एवं काफी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा सेलिब्रिटी बिजनेस अवार्ड -2025 से सम्मानित

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को सेलिब्रिटी बिजनेस अवार्ड - 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान अर्पित चड्ढा को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित संस्था एमएस टॉक्स द्वारा नई दिल्ली के होटल ली-मेरीडियन में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।ज्ञातव्य हो कि आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप अपने स्थापना काल से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य में अपने योगदान के लिए क्षेत्र में विशिष्ट स्थान रखता है। सन 1995 में मोहन नगर गाजियाबाद से अपने परिसर की स्थापना सुविख्यात शिक्षाविद डॉ आरपी चड्ढा के द्वारा की गयी। गत 30 वर्षों में आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी सोच के साथ आज आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के तत्वावधान में 5 परिसर, 10 संस्थान, 2 हॉस्पिटल, समाज के वंचित एवं गरीब परिवारों की बच्चियों के लिए सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय, गाजियाबाद कारागार में कैदियों के दन्त चिकित्सा हेतु स्थापित डेंटल केयर केंद्र तथा अवयस्क कैदियों के सुधार तथा उनमें रोजकर परक प्रशिक्षण के लिए कंप्यूटर लैब की स्थापना की गई। अर्पित चड्ढा की दूरदर्शिता, भविष्य की आवश्यकताओं को भांपते हुए उसके अनुसार आवश्य सुधार, प्रशिक्षण के साथ आधारभूत ढांचे में परिवर्तन को आत्मसात करते रहने के कारन आज संस्था का देश ही नहीं वरन विदेशी संस्थानों में भी अपना एक स्थान है। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के इन्हीं अथक प्रयासों एवं सुयोग्य मार्गदर्शन के कारण संस्थान लगातार सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है और यह सम्मान उसी कड़ी में एक और प्रमाण है।

तीन दिवसीय बिल्ड भारत एक्सपो का सफल आयोजन भारत मंडपम नईदिल्ली में संपन्न

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बिल्ड भारत एक्सपो के द्वितीय संस्करण का आयोजन के तिथि की उद्घोषाणा : 23 से 25 मार्च 2026 को भारत मंडपम, हाल नं 06, नईदिल्ली में आयोजित होगा बिल्ड भारत एक्सपो का द्वितीय संस्करण सभी 151 Exhibitors को आईआईए की तरफ से सर्टिफिकेट एवं स्मृति चिन्ह भेंट दी गयी`

तीन दिवसीय इस एक्सपो में ग्रीन एनर्जी, एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग, बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स सहित डऊड्ढ एवं एक्सपोर्टेबल प्रोडक्ट्स की प्रदर्शनी लगाई गई है

भारत मंडपम, हॉल नं 06, नईदिल्ली में इण्डियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा 19 से 21 मार्च 2025 तक आयोजित किये गए तीन दिवसीय महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रदर्शनी ह्लबिल्ड भारत एक्सपो 2025ह्व के समापन समारोह में एमएलसी श्री संजय मयूख विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए`

श्री संजय मयूख ने बिल्ड भारत एक्सपो 2025 के समापन समारोह के दौरान अपने उदबोधन में बताया कि देश के उद्यमी कर्मयोगी हैं जिसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी निरंतर सहयोग देने के लिए प्रयासरत हैं` उन्होंने एक्सपो में भाग लेने वाले उद्यमियों का उत्त्साहवर्धन किया` बिल्ड भारत एक्सपो 2025 के समापन समारोह के अवसर पर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तरखंड, हरियाणा, नार्थ ईस्ट प्रदेशों सहित देश के विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में उद्यमियों ने एक्सपो विजिट किया`

बिल्ड भारत एक्सपो के इस प्रथम संस्करण में 151 विभिन्न कम्पनियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी एवं 28 से अधिक देशों से आये राजदूत / ट्रेड कमिश्नर्स के साथ बी 2 बी मीटिंग के माध्यम से निर्यात, जॉइंट वेंचर की संभावनाओं एवं व्यापार / मार्केट ग्रोथ से लाभान्वित हुए हैं`

राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल ने एक्सपो में भाग लेने वाले सभी Exhibitors का आभार व्यक्त करते हुए बिल्ड भारत एक्सपो के द्वितीय संस्करण के तिथि की घोषणा की और बताया कि 23 से 25 मार्च 2026 को भारत मंडपम, हाल नं 06, नईदिल्ली में बिल्ड भारत एक्सपो का भव्य आयोजन किया जायेगा ` जिसके उपरांत 40 से अधिक कम्पनियों ने बिल्ड भारत एक्सपो के द्वितीय संस्करण में प्रतिभाग करने के लिए अग्रिम बुकिंग करने के लिए आईआईए को सूचित किये हैं`

वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री दिनेश गोयल ने तीन दिवसीय एक्सपो के रिपोर्ट की जानकारी देते हुए बताया कि बिल्ड भारत एक्सपो-2025 एक प्रमुख औद्योगिक एक्सपो के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें 151 स्टाल विभिन्न कंपनियों स्थापित किए गए हैं । उद्योग से संबंधित नवीनतम तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में 28 देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों, राजनयिकों, उद्योगपतियों और व्यापारिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया ऑस्ट्रिया, मलेशिया, इजराइल, रूस, ईरान, इराक, कजाकिस्तान, मॉरिसस, इजिप्ट, फि जी, इथोपिया, घाना, सूरीनाम, आइसलैंड, साउथ कोरिया, कोस्टा रिका, मोरक्को इत्यादि शामिल हैं। इन बी टू बी सत्रों में विभिन्न देशों के व्यापार प्रतिनिधियों और भारतीय कंपनियों के बीच व्यापार वार्ता।

एक्सपो के तीनों दिन वोकल फॉर लोकल और लोकल से ग्लोबल विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी ड्रिवेन डिजाइन बिल्डिंग, एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, इंटरनेशनल मार्केट, ग्रीन एनर्जी, एमएसएमई के लिए सिडबी स्कीम और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस इत्यादि प्रमुख विषयों पर सेमिनार आयोजित किए गए। इन सेमिनार को 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने अटेंड किया। एक्सपो के दौरान कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनकी अनुमानित मूल्य सीमा 1000 करोड़ से अधिक की रही। एक्सपो में 5000 से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति दर्ज की गई। एक्सपो के बिभिन्न कार्यक्रमों में 50 से अधिक उद्योग विशेषज्ञ, आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, इंजीनियर्स और सरकारी अधिकारी शामिल हुए।

बिल्ड भारत एक्सपो-2025 ने न केवल व्यापारिक सौदों को प्रोत्साहित किया बल्कि विभिन्न देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को भी बढ़ावा दिया। इस आयोजन से भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र खास तोर पर एमएसएमई को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिली और उद्योग जगत के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ।

बिल्ड भारत एक्सपो 2025 के समापन समारोह के अंत में आईआईए के महासचिव श्री आलोक अग्रवाल ने विशिष्ठ अतिथि सहित, इस एक्सपो में प्रतिभाग करने वाले समस्त एॅ्रु३ङ्ख१२ का धन्यवाद व्यक्त करते हुए बिल्ड भारत एक्सपो के द्वितीय संस्करण के सफल आयोजन में सभी के सहयोग की अपेक्षा की और बताया कि आने वाले वर्ष में इस आयोजन से MSME को व्यापारिक ग्रोथ में कई गुना लाभ दिलाने का प्रयास आईआईए द्वारा किया जायेगा।

एमआईईटी स्कूल में ग्रेजुएशन डे समारोह का भव्य आयोजन

संस्कार और शिक्षा का समावेश जरूरी - विष्णु शरण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल, पल्लवपुरम में यूकेजी (अपर किंडरगार्टन) के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन डे समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन विष्णु शरण, निदेशक अजय बंसल एवं प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस समारोह का आयोजन किंडरगार्टन के छात्र-छात्राओं के कक्षा एक में प्रवेश के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें बच्चों ने पारंपरिक दीक्षांत परिधान धारण कर भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य थीम ह्यजंगल बुकह्ण पर आधारित थी, जिसके अंतर्गत छोटे बच्चों ने विभिन्न पात्रों के रूप में प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी कड़ी में यूकेजी की छात्रा सान्वी मलिक और आद्विका शर्मा ने अपनी किंडरगार्टन यात्रा के अनुभव साझा किए, जिससे कार्यक्रम में एक भावनात्मक पहलू जुड़ा। विद्यालय के चेयरमैन विष्णु शरण ने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का चतुमुर्खी विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा एमआईईटी बच्चों में जीवन मूल्यों और संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि बिना संस्कारों और नैतिक मूल्यों के न तो कोई स्वयं सफल हो सकता है और न ही देश की प्रगति में योगदान दे सकता है। प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की सफलता में इंचार्ज शिखा विश्नोई एवं समस्त किंडरगार्टन शिक्षिका वर्ग का विशेष योगदान रहा। इस भव्य आयोजन ने न केवल बच्चों के लिए एक यादगार क्षण प्रदान किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास और भविष्य की शिक्षा के प्रति प्रेरणा का संचार भी किया।

B.Tech, MCA और BCA के तीसरे वर्ष वर्ष के छात्रों के लिए Data Analytics" पर तकनीकी कार्यशाला का सफल आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। सुंदरदीप इंजीनियरिंग कॉलेज में Data Analytics"पर एक विशेष तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें B.Tech और BCA के तीसरे वर्ष के छात्रों ने भाग लिया। यह कार्यशाला छात्रों को डेटा एनालिटिक्स और संबंधित तकनीकों के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति एसजीयू प्रोफेसर डॉक्टर प्रसनजीत कुमार ने किया, जिन्होंने डेटा एनालिटिक्स के महत्व को समझाया और छात्रों को इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद, सुंदरदीप इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर हरीश कुमार तलूजा ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कार्यशाला के महत्व को स्वीकार करते हुए छात्रों को तकनीकी क्षेत्र में और अधिक आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर हरीश कुमार तलूजा ने किया, जिनकी मार्गदर्शन में कार्यशाला की सफलता सुनिश्चित हुई। इस कार्यशाला में इ.ळ्रीं अर&ल्ल विभागाध्यक्ष डॉ. सत्यवीर सिंह, इ.ळ्रीं उरए विभागाध्यक्ष श्रीमती वंदना शर्मा, इउअ विभागाध्यक्ष श्रीमती योगिता कौशिक, डॉ. गावेंद्र सिंह, गौरव शर्मा, कपिल सिंघल, कपिल देव शर्मा, अंकित कुमार, और अन्य संकाय सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

इस कार्यशाला के मुख्य संसाधन व्यक्ति श्री विनोद कुमार थे, जिन्होंने डेटा एनालिटिक्स के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि डेटा संग्रहण, विश्लेषण और डेटा विजुअलाइजेशन के बारे में गहरी जानकारी प्रदान की। उनके नेतृत्व में छात्रों को इस क्षेत्र के उभरते हुए टूल्स और तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उन्हें व्यावसायिक और अकादमिक दृष्टिकोण से डेटा एनालिटिक्स की वास्तविक उपयोगिता समझ में आई।

इस कार्यक्रम की सफलता पर आयोजकों ने खुशी व्यक्त की और भविष्य में इस प्रकार की और कार्यशालाओं के आयोजन की योजना बनाई है।

चालक रवि कुमार ने कायम की ईमानदारी की मिशाल, ऑटो में यात्री का छूटा लाखों रुपये से भरा बैग, पुलिस को सौंपा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद । गाजियाबाद में एक ऑटो चालक ने ईमानदारी की मिशाल कायम की है। चालक के ऑटो में कारोबारियों का लाखों रुपये से भरा बैग छूट गया था। चालक ने बैग थाने पहुंचकर पुलिस को दे दिया। इसके बाद पुलिस ने कारोबारियों को बुलाकर उन्हें उनके रुपये सौंप दिए हैं। ऑटो चालक रवि कुमार ने रुपये से भरा बैग पुलिस को सौंपकर ईमानदारी की मिशाल कायम की है। जनपद ललितपुर के कस्बा मंडावरा निवासी दिवाकर पुराने वाहनों की बिक्री और खरीद का कारोबार करते हैं। बृहस्पतिवार को वह अपने साथी राजू, अरविंद और सौरभ के साथ वाहन खरीदने नगर में आए। गोविंदपुरम से पुराने बस अड्डे पर पहुंचने के लिए चारों ऑटो में सवार हो गए। उतरते समय उनका रुपये से भरा बैग ऑटो में छूट गया। कारोबारी सिहानी गेट थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। रात को रवि ऑटो लेकर घर पहुंचा तो रुपये से भरा बैग देखा। शुक्रवार की सुबह ऑटो चालक सिहानी गेट थाने पहुंचा और 8.23 लाख रुपये का बैग पुलिस को सौंप दिया। सिहानी गेट पुलिस ने कारोबारियों को बुलाकर उन्हें उनके रुपये सौंप दिए हैं।

भारत-रूस मैत्री को नई दिशाः इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 'रूसी कक्ष' का उद्घाटन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

साहिबाबाद। भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नॉर्दर्न फोरम, रूसी हाउस और इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में रूसी कक्ष का भव्य उद्घाटन रहा। इस रूसी कक्ष की स्थापना का उद्देश्य भाषा कक्षाओं, ऐतिहासिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाना है। यह पहल भारतीय और रूसी छात्रों को संवाद, आपसी समझ और दोस्ती को बढ़ावा देने का मंच प्रदान करेगी।

अंतरराष्ट्रीय अभियान सेव एंड प्रिजर्व के तहत, नॉर्दर्न फोरम रूस ने गार्डन ऑफ फ्रेंडशिप परियोजना की शुरूआत की। इस पहल के अंतर्गत इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में ताड़ के वृक्ष लगाए गए। यह परियोजना सिर्फ वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर, भारतीय एसोसिएशन ऑफ रशियन कम्पेट्रियट्स की संस्थापक और अध्यक्ष एलेना बारमन ने कहा की पेड़ लगाना केवल पर्यावरण की रक्षा का कार्य नहीं है, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

इस कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण सत्र का संचालन दारियाना मक्सिमोवा, उप निदेशक, नॉर्दर्न फोरम ने किया। प्रमुख वक्ताओं में याना ओख्लोपकोवा, नॉर्दर्न यूथ फोरम की सदस्य और एम.के. अम्मोसोव नॉर्थ-ईस्टर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग की वरिष्ठ व्याख्याता, तथा दारिया बुरनाशेवा, नॉर्दर्न यूथ फोरम की सदस्य और आर्कटिक स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर एंड आर्ट की एसोसिएट प्रोफेसर, ने अपने विचार साझा किए। इस दौरान इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार, और वाइस प्रेसिडेंट सीएसआर विभूति शंकर ने भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक, शैक्षिक और अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने इस पहल के माध्यम से इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज सहित भारत में रूसी भाषा, संस्कृति और शिक्षा के विस्तार पर जोर दिया।

यह कार्यक्रम भारत और रूस के बीच शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छात्रों के बीच संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यावरणीय पहल को प्रोत्साहित करके, यह दोनों देशों के बीच एक मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी की नींव रखेगा।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।